

SI पेपर लीक केस में पूर्व CM अशोक गहलोत के PSO और बेटे की गिरफ्तारी

-तीन दिन की रिमांड पर भेजा गया

जयपुर। राजस्थान में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में एसओजी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) राजकुमार यादव और उनके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। दोनों को शुक्रवार देर रात हिरासत में लेने के बाद शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। जांच में सामने आया है कि राजकुमार यादव ने बेटे के लिए SI भर्ती परीक्षा का पेपर खरीदा था। भरत यादव लिखित परीक्षा पास करने के बाद फिजिकल टेस्ट में फेल हो गया था। अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहने के दौरान राजकुमार यादव उनकी सुरक्षा में तैनात था और बीजेपी सरकार आने के बाद भी वह उनके PSO पद पर कार्यरत था।



पूर्व CM अशोक गहलोत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा— "किसी भी व्यक्ति की अपराध में संलिप्तता हो तो कानून अपना काम करे।" वहीं, राजस्थान के मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने इस गिरफ्तारी को लेकर पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा— "मैंने कई बार कहा था कि गहलोत सरकार

के संरक्षण में नकल माफिया ने पेपर लीक किए। आज की गिरफ्तारी इस बात की पुष्टि करती है। अगर सरकार की नकल माफिया से साठगांठ नहीं होती, तो युवाओं के साथ इतना बड़ा अन्याय नहीं होता।" एसओजी की पूछताछ में और भी खुलासे होने की संभावना है।

अगले पांच साल तक जारी रहेगी 'लाइली बहन योजना' - फडणवीस



मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में 'मुख्यमंत्री मेरी लाइली बहन योजना' अगले पांच सालों तक निरंतर जारी रहेगी। इस योजना के तहत राज्य की लाभार्थी महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये दिए जाते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूती मिलती है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा मुंबई के मुमुंडु स्थित महाकवि कालिदास नाट्यगृह में आयोजित रक्षाबंधन उत्सव के अवसर पर की। इस कार्यक्रम में प्रदेश के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। फडणवीस ने महिलाओं की

भाग्यदारी पर जोर देते हुए कहा कि साल 2029 से लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा। उन्होंने कहा, "अभी तक महिलाओं के लिए कानून पुरुष सांसद और विधायक बनाते हैं, लेकिन आने वाले समय में महिलाएं खुद लोकसभा और विधानसभा में अपने लिए कानून और योजनाएं बनाएंगी। इससे विकास की यात्रा और तेज होगी।" उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है और 'लाइली बहन योजना' इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत पर ट्रंप के टैरिफ ऐलान से बौरवलाए अमेरिका के पूर्व NSA बोल्टन

-बोले - "भारी कीमत चुकानी पड़ेगी"

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनावनी अब राजनीतिक बयानबाजी के नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) जॉन बोल्टन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति को कठघरे में खड़ा करते हुए कड़ा हमला बोला है। बोल्टन का कहना है कि ट्रंप के हालिया टैरिफ फैसलों ने दशकों से चली आ रही अमेरिका-भारत की रणनीतिक साझेदारी को कमजोर कर दिया है, जिसकी कीमत अमेरिका को भारी चुकानी पड़ सकती है। बोल्टन ने आरोप लगाया कि भारत पर रूस से तेल खरीदने के मामले में अतिरिक्त टैरिफ लगाकर ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ी रणनीतिक गलती की है। उनके मुताबिक, यह कदम भारत को अमेरिका से दूर कर रूस और चीन के करीब धकेल सकता है। उन्होंने कहा, "हमने कई दशकों तक भारत के साथ भरोसे और साझेदारी का रिश्ता मजबूत किया, लेकिन ट्रंप की तात्कालिक सोच और गलत



व्यापार नीतियों ने उस नींव को हिला दिया है।" पूर्व NSA का मानना है कि भारत जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्र के साथ रिश्तों में दरार पैदा करना, अमेरिका की दीर्घकालिक विदेश नीति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस रुख में बदलाव नहीं हुआ, तो एशिया में शक्ति संतुलन अमेरिका के खिलाफ जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत, अमेरिका के लिए न सिर्फ एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत को संतुलित करने के लिए एक अहम रणनीतिक सहयोगी भी है। ऐसे में टैरिफ विवाद दोनों देशों के आर्थिक और सुरक्षा हितों को प्रभावित कर सकता है। बोल्टन के बयान से साफ है कि ट्रंप की "अमेरिका फर्स्ट" नीति को लेकर अमेरिकी राजनीतिक हलकों में भी गहरा असंतोष है, और भारत पर टैरिफ का मसला आने वाले समय में दोनों देशों के रिश्तों में एक बड़ी कड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

उत्तराखंड के धराली आपदा स्थल पर स्वास्थ्य सचिव का दौरा, अब तक 629 लोगों का रेस्क्यू

देहरादून। उत्तराखंड में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा के बीच राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव आर. राजेश ने शनिवार को धराली आपदा स्थल का दौरा कर मौके की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सभी संबंधित एजेंसियां लगातार प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रही हैं और लोगों को हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है। सचिव आर. राजेश के अनुसार, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमों चैश पलड से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रही हैं। अब तक 629 नागरिकों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया जा चुका है, जबकि अन्य प्रभावितों को भी तेजी से राहत शिविरों तक पहुंचाया जा रहा है।



उन्होंने कहा कि राहत कार्यों के दौरान मेडिकल टीमों को भी तैनात किया गया है, ताकि घायलों और बीमार लोगों को तुरंत इलाज मिल सके। स्थानीय प्रशासन प्रभावित परिवारों को भोजन, पानी, कपड़े और दवाइयों उपलब्ध करा रहा है। गौरतलब है कि धराली क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ और मलबे के बहाव ने कई घरों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को नुकसान

पहुंचाया है। प्रशासन का कहना है कि मौसम की परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बचाव दलों को भी तैनात किया जाएगा। यह आपदा उत्तराखंड में मौनसून सीजन की गंभीर चुनौतियों की ओर इशारा करती है, जहां पहाड़ी इलाकों में हर साल भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित होता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024: शरद पवार का सनसनीखेज खुलासा

-बोले - "288 में से 160 सीटों की जीत की गारंटी की पेशकश हुई थी"



मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में चुनावी बिगुल बजने से पहले ही बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने राजनीतिक गतिधारा में हलचल मचा दी है। नागपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान पवार ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले उन्हें 288 में से 160 सीटों पर जीत की 'गारंटी' देने का प्रस्ताव मिला था। पवार के अनुसार, जब वह दिल्ली में थे, तब दो लोग उनसे मिलने आए। इन लोगों ने उन्हें बताया कि विपक्षी दल महाराष्ट्र की 288 सीटों में से 160 सीटें आसानी से जीत सकते हैं, और वे इसकी गारंटी दे सकते हैं। पवार ने कहा, "मैं चकित रह गया। सच कहूँ तो मुझे चुनाव आयोग पर कोई शक नहीं था, लेकिन इस तरह की पेशकश हेरान करने वाली थी।" उन्होंने आगे बताया कि इस पूरी घटना की जानकारी उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भी दी थी और उन दोनों व्यक्तियों से उनका परिचय भी करवाया था। हालांकि,

राहुल गांधी ने इस मामले को गंभीरता से न लेते हुए कहा कि ऐसी बातों पर ध्यान देने के बजाय सीधे जनता के बीच जाना चाहिए और उन्हीं से संवाद करना चाहिए। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस सांसद ने हाल ही में चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने के आरोप लगाए हैं। पवार के खुलासे से यह मुद्दा और भी गरमा गया है, और अब यह सवाल उठ रहा है कि अखिर ये 'सीटों की गारंटी' देने वाले लोग कौन थे और उनका उद्देश्य क्या था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में कुल 288 सीटों के लिए मुकाबला होगा, जिसमें सत्ता के लिए महाआघाड़ी और महायुति के बीच सीधा टकराव देखने को मिलेगा। ऐसे में पवार के इस बयान ने चुनावी माहौल को और भी रोमांचक और विवादास्पद बना दिया है। अगर आप चाहें तो मैं इस खबर को और विस्तार देकर इसमें पृष्ठभूमि, राजनीतिक विश्लेषण और संभावित असर भी जोड़ सकता हूँ ताकि यह एक बड़ी लीड स्टोरी की तरह तैयार हो जाए।

फारुक अब्दुल्ला का विवादित बयान, बोले - "जिन्ना को लगता था कश्मीर पाकिस्तान जाएगा"

श्रीनगर। नेशनल कॉंग्रेस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला ने मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर एक बयान दिया है, जिसने सियासी हलचल मचा दी है। श्रीनगर में मीडिया से बातचीत के दौरान अब्दुल्ला ने कहा कि जिन्ना साहब का मानना था कि कश्मीर एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और यह पाकिस्तान के साथ जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा, "जिन्ना साहब समझते थे कि कश्मीर मुसलमानों का देश है, जो पाकिस्तान के साथ चला जाएगा। उन्हें यकीन था कि कश्मीर कहीं और नहीं जाएगा।" उन्होंने आगे कहा कि आज हालात ऐसे हैं कि अगर मुसलमानों का खून बहता है तो उसकी कोई परवाह नहीं की जाती, लेकिन



अगर हिंदू का खून निकलता है तो कहा जाता है, 'ओह, ये तो खून है', और इस पर पूरा भारत एकजुट हो जाता है। अपने बयान में फारुक अब्दुल्ला ने यह भी जोड़ा कि "उस वक्त अंग्रेजों ने भी यही किया था - फूट डालो और राज करो। आज भी वही सोच कहीं-न-कहीं जिंदा है।"

अब्दुल्ला के इस बयान पर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया आने की संभावना है। जहां उनके समर्थक इसे 'ऐतिहासिक संदर्भ' बता सकते हैं, वहीं विपक्ष इसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता से जोड़कर हमला कर सकता है।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री पर प्रशांत किशोर का बड़ा आरोप -बोले - "बीजेपी अध्यक्ष से 25 लाख लेकर दिल्ली में खरीदा फ्लैट"

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, राज्य की सियासत में गर्मी और तेज होती जा रही है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। इसी कड़ी में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को बिहार भाजपा और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। पटना में आयोजित एक प्रेस वार्ता में प्रशांत किशोर ने दावा किया कि साल 2019 में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से 25 लाख रुपये की रिश्त ली। उनके मुताबिक, यह रकम दिल्ली के द्वारका में मंत्री की पत्नी के नाम पर फ्लैट खरीदने में खर्च की गई। किशोर ने आरोप लगाया कि इस लेन-देन के बदले में जायसवाल के



किशनगंज स्थित मेडिकल कॉलेज को 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा दिया गया। प्रशांत किशोर ने आगे कहा, "कोरोना काल में जब बिहार के लोग दवा और ऑक्सीजन के लिए तरस रहे थे, तब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिल्ली में फ्लैट खरीदने में व्यस्त थे। इसके अलावा, एंबुलेंस खरीदने में भी बड़े पैमाने पर

गड़बड़ी की गई।" इन आरोपों ने बिहार की सियासत में हलचल मचा दी है। भाजपा की ओर से इस पर अब तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह के आरोप सत्ता पक्ष के लिए मुश्किलें बढ़ा सकते हैं।

बेंगलुरु में देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

टर्मिनस, भगत की कोठी (जोधपुर)-बांद्रा टर्मिनस, उदयपुर-जयपुर और हिसार-हड़पसर के बीच चलने वाली गाड़ियां शामिल हैं। इन सभी ट्रेनों में सेकेड एसी, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी, स्लीपर और जनरल कोच की व्यवस्था होगी, ताकि हर वर्ग के यात्री अपनी सुविधा और बजट के अनुसार यात्रा कर सकें। रेलवे प्रशासन का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे प्रमुख त्योहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए इस तरह की विशेष सेवाएं हर साल चलाई जाती हैं, जिससे लोगों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी हो।



बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास देश

का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की मंजूरी दे दी है। यह स्टेडियम 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला होगा और दर्शक क्षमता के मामले में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश में दूसरे

स्थान पर रहेगा। 1650 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह स्टेडियम कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रम में 100 एकड़ में बनाया जाएगा। यह एम चित्रास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर होगा। इस फैसले की पृष्ठभूमि में 4 जून को RCB की IPL ट्राफी जीत के जश्न के दौरान चित्रास्वामी स्टेडियम में मंची भगदड़ का मामला भी है,

जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। स्टेडियम में सिर्फ क्रिकेट मैच ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा। इसे बेंगलुरु में BCCI के नए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

रक्षाबंधन पर उत्तर पश्चिम रेलवे की सौगात -यात्रियों के लिए चलाई जाएंगी 11 से अधिक स्पेशल ट्रेनें



जयपुर। रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने 11 से अधिक

स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का फैसला किया है। ये विशेष ट्रेनें राजस्थान के विभिन्न शहरों को महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली से जोड़ेंगी, जिससे यात्रियों को समय पर और आरामदायक यात्रा की सुविधा मिल सके।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि सभी ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव रखा गया है। कोच संरचना भी मांग के अनुसार तय की गई है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। इन सेवाओं का उद्देश्य त्योहार के समय अतिरिक्त यात्री यातायात को संभालना और लोगों की यात्रा को सुगम बनाना है। स्पेशल ट्रेनों में जयपुर-बांद्रा

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जांच एजेंसियों में पारदर्शिता और जवाबदेही: सुप्रीम कोर्ट की स्वस्थ चेतावनी

जांच एजेंसियों के काम में पारदर्शिता और जवाबदेही का सवाल एक बार फिर चर्चा में है। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2024 में एजेंसियों को पारदर्शिता (ईडी) को उसकी कार्यप्रणाली को लेकर कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून लागू करने वाली किसी भी एजेंसी को ठग या दमनकारी ताकत की तरह नहीं, बल्कि संविधान और कानून के दायरे में रहकर कार्य करना चाहिए। अदालत ने ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में दोष सिद्धि की दर 10 फीसदी से भी कम होने पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए खतरा है, बल्कि एजेंसी की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े करती है। मनी लॉन्ड्रिंग जैसे जटिल अपराधों की जांच में लंबा समय लगना और ठोस सबूत जुटाना कठिन काम है, लेकिन अगर ज्यादातर मामलों में अदालत में दोष साबित ही नहीं हो पा रहा है, तो यह संकेत है कि या तो मामले पुख्ता जांच के बिना दर्ज हो रहे हैं या फिर जांच की गुणवत्ता में गंभीर कमी है। यह स्थिति आम नागरिक के अधिकारों के साथ-साथ न्याय व्यवस्था की मूल भावना पर भी चोट करती है, क्योंकि किसी भी व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगने के बाद यदि वह बरी हो जाता है, तो उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्थिति पर स्थायी आघात पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब देश में केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज को लेकर लगातार बहस चल रही है। लोकेश्वरी दल अक्सर आरोप लगाते हैं कि ईडी, सीबीआई जैसे एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को डराने-धमकाने के लिए किया

जा रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि इन एजेंसियों ने कई बड़े आर्थिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के मामलों का पर्दाफाश किया है, जिससे सरकारी खजाने में भारी रकम वापस आई है। समस्या यह है कि सफलता के कुछ मामलों के बावजूद, दोष सिद्धि की कम दर पूरे तंत्र पर अविश्वास की छाया डाल देती है। एक और पहलू यह है कि जांच एजेंसियों पर मामलों का पर्दाफाश और प्रभाव के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। यदि एजेंसियां निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से काम न करें, तो न्याय की प्रक्रिया संदिग्ध हो जाती है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया है। पारदर्शिता का मतलब केवल मीडिया में बयान देने से नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हर मामला ठोस सबूत, न्यायप्रतिक्रिया और निष्पक्षता के आधार पर आगे बढ़े। जांच एजेंसियों के सामने यह चुनौती भी है कि वे गंभीर मामलों की जांच में तेजी और सटीकता दोनों बनाए रखें। लंबे समय तक मामलों का लंबित रहना न केवल न्याय में देरी करता है, बल्कि इससे गवाहों और सबूतों पर भी असर पड़ सकता है। इसीलिए, आवश्यकता है कि इन एजेंसियों में आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ जांच अधिकारी और कानूनी टीमों को मजबूत किया जाए, ताकि हर मामला अदालत में ठोस तरीके से पेश हो सके और दोषियों को सजा मिले। सुप्रीम कोर्ट की फटकार को महज आलोचना के रूप में नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। ईडी, सीबीआई और अन्य राज्य स्तरीय एजेंसियों को यह समझना होगा।

विश्व आदिवासी दिवस : प्रकृति से सीखने और स्थानीय ज्ञान के सम्मान का पर्व

-विश्व आदिवासी दिवस का इतिहास और महत्व

हर साल 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस (International Day of the World's Indigenous Peoples) मनाया जाता है। यह दिन न केवल आदिवासी समुदायों के अधिकारों और सम्मान की पहचान का अवसर है, बल्कि यह उनकी अनूठी संस्कृति, प्रकृति-आधारित जीवन-दर्शन और पीढ़ियों से संचित ज्ञान के उत्सव का दिन भी है। आदिवासी समाज हमेशा से प्रकृति के साथ गहरे तालमेल में रहा है। उनकी संस्कृति में जंगल, नदियाँ, पहाड़, जानवर और मौसम सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि रिश्तेदार और संरक्षक के रूप में देखे जाते हैं। इस अवसर पर हमें यह समझना चाहिए कि आदिवासी जीवन-शैली सिर्फ एक सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास का जीता-जागता मॉडल है।

विश्व आदिवासी दिवस का इतिहास और महत्व
संयुक्त राष्ट्र की पहल संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1994 में तय किया कि हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा। इस दिन का चयन इसलिए किया गया क्योंकि 1982 में इसी तारीख को संयुक्त राष्ट्र में आदिवासी मुद्दों पर कार्य करने वाले पहले समूह की बैठक हुई थी।

इस दिवस का उद्देश्य है: आदिवासी समुदायों के मानवाधिकारों की रक्षा। उनके पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति को संरक्षित करना। उनके विकास के अधिकारों को मान्यता देना।

भारत में महत्व
भारत में लगभग 10 करोड़ से अधिक लोग आदिवासी समुदायों से आते हैं, जिन्हें स्थानीय रूप से 'जनजाति' कहा जाता है। देश के 700 से ज्यादा जनजातीय समूह अपनी-अपनी अनूठी भाषा, संस्कृति और जीवन पद्धति रखते हैं। यह दिवस भारत में इन समुदायों के योगदान को पहचानने

और उनके अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है। आदिवासी जीवन-दर्शन और प्रकृति से रिश्ता प्रकृति के साथ सहअस्तित्व आदिवासी समाज प्रकृति को "शोषण" की नहीं बल्कि "संरक्षण" की दृष्टि से देखता है। जंगल उनके लिए माँ के समान है। नदियाँ जीवनदायिनी हैं। पहाड़ रक्षक हैं। वे उतना ही लेते हैं जितना ज़रूरत हो, और बदले में प्रकृति को लौटाते हैं — चाहे वह पेड़ लगाना हो, नदी की सफाई हो या जानवरों का संरक्षण।

पारंपरिक ज्ञान
आदिवासी पीढ़ियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के तरीके जानते हैं: औषधीय पौधों की पहचान और उपयोग। मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने वाली खेती। वर्षा जल संग्रहण और प्राकृतिक सिंचाई प्रणाली। यह ज्ञान केवल किताबों में नहीं, बल्कि लोककथाओं, गीतों, त्योहारों और अनुष्ठानों में संरक्षित है।

आदिवासी संस्कृति के रंग
भाषा और बोली भारत में गोंडी, संथाली, भीली, मुंडारी, हो, खासी, नागा जैसी दर्जनों भाषाएँ आदिवासी पहचान का हिस्सा हैं। ये भाषाएँ न सिर्फ संवाद का माध्यम हैं, बल्कि इनमें पर्यावरण, मौसम, खेती और सामाजिक संबंधों से जुड़ा अन्तःज्ञान भी मौजूद है।

त्योहार और अनुष्ठान
आदिवासी त्योहार प्रकृति के साथ जुड़े होते हैं — जैसे: सरहुल (झारखंड): साल वृक्ष की पूजा। मड़ई मेला (छत्तीसगढ़): फसल और पशुओं का उत्सव। कर्म पर्व (मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड): पेड़ की पूजा और खुशहाली की प्रार्थना।

कला और शिल्प
वारली पेंटिंग, भील चित्रकला, गोंड आर्ट, डोकरा कला आदि न केवल सुंदर हैं बल्कि इनमें प्रकृति और दैनिक जीवन की कहानियाँ चित्रित होती हैं।

पर्यावरण संरक्षण में आदिवासी

भूमिका
जंगल बचाने के प्रहरी दुनिया के सबसे संरक्षित जंगल आज भी वहाँ हैं जहाँ आदिवासी समुदाय रहते हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि उनके जीवन-दर्शन का प्रमाण है। जैव विविधता का संरक्षण आदिवासी बीजों की स्थानीय किस्मों को संरक्षित रखते हैं, जिससे खेती रसायनों पर निर्भर नहीं होती और मिट्टी स्वस्थ रहती है।

जल स्रोतों की रक्षा छोटे-छोटे बाँध, तालाब और जल-कब्र बनाए उनकी पारंपरिक तकनीकों में शामिल है। आधुनिक चुनौतियाँ और खतरे भूमि अधिकार का संकट बढ़े बाँध, खनन परियोजनाएँ और औद्योगिक विस्तार ने लाखों आदिवासियों को विस्थापित किया है।

संस्कृति का क्षरण शहरीकरण और बाज़ारवादी संस्कृति के दबाव से उनकी भाषा, त्योहार और कला लुप्त हो रही है। शोषण और गरीबी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार की कमी के कारण आदिवासी समाज अक्सर हाथिये पर है। समाधान और पहल कानूनी संरक्षण पंचायती राज (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) वन अधिकार कानून, 2006 (FRA) ये कानून आदिवासियों को भूमि, जंगल और संसाधनों पर अधिकार देते हैं, लेकिन ज़रूरत है कि इन्हें सही तरीके से लागू किया जाए।

स्थानीय ज्ञान का सम्मान आदिवासी खेती, औषधीय ज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की तकनीकों को राष्ट्रीय नीति में शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षा में स्थानीय भाषा प्राथमिक शिक्षा आदिवासी मातृभाषा में देने से बच्चों की सीखने की क्षमता और सांस्कृतिक पहचान दोनों मजबूत होंगी। विश्व आदिवासी दिवस का संदेश



यह दिन हमें याद दिलाता है कि: आदिवासी समाज के बिना दुनिया की जैव विविधता और पर्यावरण सुरक्षित नहीं रह सकता। हमें "विकास" की परिभाषा को फिर से सोचना होगा ताकि उसमें प्रकृति और मानव का संतुलन शामिल हो। आदिवासी जीवन-दर्शन से सीखकर हम जलवायु संकट से लड़ सकते हैं। विश्व आदिवासी दिवस केवल एक प्रतीकात्मक अवसर नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की दिशा तय करने का मौका है। आदिवासी समाज हमें सिखाता है कि प्रकृति का दोहन नहीं, उसका सम्मान करना ही असली प्रगति है। जब हम उनके अनुभव और ज्ञान को नीतियों में शामिल करेंगे, तभी हम एक ऐसा समाज बना पाएंगे जहाँ विकास और पर्यावरण साथ-साथ चलें।

संस्कृति में छिपा सतत विकास का मॉडल
आदिवासी समाज की परंपराएँ केवल धार्मिक या सांस्कृतिक आस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे टिकाऊ जीवन का व्यावहारिक मार्गदर्शन भी देती हैं। उदाहरण के तौर पर, जब आदिवासी किसी वृक्ष की पूजा करते हैं, तो यह केवल आस्था का मामला नहीं होता, बल्कि इसके पीछे उस वृक्ष के पारिस्थितिक महत्व की गहरी समझ होती है। साल, महुआ, नीम, बांस जैसे वृक्ष उनके जीवन और अर्थव्यवस्था के केंद्र में होते हैं —

ये उन्हें भोजन, औषधि, निर्माण सामग्री और आजीविका प्रदान करते हैं। उनकी कृषि पद्धतियों में 'झूम खेती' जैसी पारंपरिक तकनीकें शामिल हैं, जो भूमि को समय-समय पर विश्राम देती हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। भले ही आधुनिक दृष्टिकोण से इस पद्धति पर सवाल उठाए जाते हैं, लेकिन सही संतुलन के साथ यह पर्यावरण के अनुकूल होती है। आदिवासी लोकगीत और कहानियाँ केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक नैतिकता का माध्यम भी हैं। उदाहरण के लिए, कई गीतों में जंगल को 'जीवित अस्तित्व' के रूप में चित्रित किया गया है, जिसे काटने से पहले अनुमति मांगनी चाहिए। यह विचार आधुनिक 'इकोलॉजिकल एथिक्स' से कुल्फाल मेल खाता है। इन कहानियों में जानवर, पेड़, पहाड़ और नदियाँ पात्र बनकर आते हैं और मनुष्यों के सिखाते हैं कि लालच और अति-शोषण से प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाता है। आज के समय में जब जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है, तब इन लोककथाओं में निहित संदेश और भी प्रासंगिक हो गए हैं। वैश्विक स्तर पर सीखने का अवसर विश्व आदिवासी दिवस केवल आदिवासियों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह दिन पूरी मानवता

के लिए एक अवसर है कि हम अपनी विकास नीतियों की समीक्षा करें। औद्योगिक प्रगति और शहरीकरण की तेज़ रफ़्तार में हमने अक्सर प्रकृति की सीमाओं को नज़रअंदाज़ किया है। लेकिन आदिवासी समाज हमें दिखाता है कि विकास और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हो सकते हैं — बशर्तें हम संतुलन बनाए रखें भारत में 10 करोड़ से अधिक लोग आदिवासी समुदाय से जुड़े हैं। ये समुदाय जंगल, नदियों, पहाड़ों और वन्यजीवों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि रिश्तेदार और संरक्षक मानते हैं। उनकी जीवनशैली संरक्षण पर आधारित है—वे उतना ही लेते हैं जितना ज़रूरत हो, और बदले में प्रकृति को लौटाते हैं। औषधीय पौधों का ज्ञान, पारंपरिक खेती, वर्षा जल संरक्षण और प्राकृतिक सिंचाई जैसी तकनीकें पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोककथाओं, गीतों और त्योहारों में संरक्षित हैं। आदिवासी कला, भाषा और त्योहारों में प्रकृति के साथ गहरा संबंध झलकता है—जैसे सरहुल, कर्म पर्व, वारली पेंटिंग, गोंड आर्ट। वे जंगलों और जैव विविधता के सबसे बड़े संरक्षक हैं, लेकिन आज जंगल, बाँध, उद्योग और शहरीकरण के कारण विस्थापन, गरीबी और संस्कृति के क्षरण की चुनौती झेल रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा और जलवायु परिवर्तन की मार

-हिमखंडों के पास बनने वाली झीलों पर गंभीर अध्ययन की ज़रूरत

प्राकृतिक आपदाएँ ईसाण और प्रकृति के बीच संतुलन बिगड़ने का सबसे बड़ा संकेत होती हैं। कभी ये आपदाएँ भूकंप, बाढ़, भूस्खलन और चक्रवात के रूप में आती हैं, तो कभी धीरे-धीरे बढ़ते जलवायु परिवर्तन के असर के रूप में। पहाड़ी इलाक़े हमेशा से ही प्राकृतिक रूप से संवेदनशील माने जाते रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन ने उनकी नाजुक स्थिति को और गंभीर बना दिया है। खासकर हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों के पास बनने वाली झीलों—जिन्हें ग्लेशियल लेक कहा जाता है—एक नई और बड़ी चिंता बन गई है। इन झीलों के फटने से (Glacial Lake Outburst Flood – GLOF) निचले इलाक़ों में भारी तबाही मच सकती है।

पिघलने से न केवल समुद्र का स्तर बढ़ता है, बल्कि पहाड़ों में बर्फ़ के नीचे और किनारों पर पानी जमा होकर झीलों बन जाती हैं। ये झीलें बर्फ़, चट्टानों या मिट्टी की प्राकृतिक दीवार से घिरी होती हैं, जो बेहद अस्थिर होती हैं। ज़रा-सा दबाव या भूकंप जैसी हलचल इन दीवारों को तोड़ सकती है, जिससे लाखों लीटर पानी कुछ ही मिनटों में नीचे बहकर बस्तियों और खेतों को तबाह कर सकता है।



ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) का खतरा
GLOF यानी ग्लेशियर झील फटने से आने वाली बाढ़, दुनिया के कई पहाड़ी क्षेत्रों में गंभीर समस्या है—चाहे वह हिमालय हो, आल्प्स हो या एंडीज़। भारत में लाहौल-स्पीति, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में ऐसे कई झीलें बन चुकी हैं, जिनसे खतरा मंडरा रहा है।

खतरनाक GLOF घटनाओं के उदाहरण:
चामोली (उत्तराखंड), फरवरी 2021: ऋषिगंगा और धौलीगंगा घाटी में अचानक आई बाढ़ में 200 से ज़्यादा लोग मारे गए या लापता हुए। यह घटना ग्लेशियर टूटने और पानी के तेज़ बहाव का नतीजा थी। सिक्किम, अक्टूबर 2023: दक्षिण लोनाक झील फटने से तेज़ बाढ़ आई, जिसने कई युवा और सड़के बहा दीं, और दर्जनों लोगों की जान चली गई। नेपाल, 1985: डिज़ास्तर तब आया जब दीग त्सो झील फटी, और पूरे क्षेत्र में बाढ़ ने तबाही मचाई।

हिमखंडों के पास बनने वाली झीलें – कैसे बनती हैं?
ग्लेशियर जब पीछे हटता है, तो उसके द्वारा पहले ढके गए क्षेत्र में गड्ढे या अवसाद (depressions) बन जाते हैं। इनमें पिघला हुआ पानी भर जाता है, और झील बन जाती है। ये झीलें दो तरह की होती हैं: मॉरिन-बंधी झीलें (Moraine-dammed lakes) – बर्फ़ और पत्थरों की दीवार से घिरी। बर्फ़-बंधी झीलें (Ice-dammed lakes) – पूरी तरह बर्फ़ की दीवार से रोकी गईं। इन दीवारों में किसी

भी समय दरार आ सकती है, खासकर: अचानक भारी बारिश तेज़ गर्मी के कारण बर्फ़ का तेज़ी से पिघलना भूकंप या हिमस्खलन ऊपर से गिरा कोई बड़ा पत्थर या बर्फ़ का टुकड़ा

जलवायु परिवर्तन ने क्यों बढ़ा दिया खतरा?
पहाड़ों का मौसम अब पहले जैसा नहीं रहा। वैज्ञानिक बताते हैं कि पिछले 50 सालों में हिमालयी क्षेत्र का औसत तापमान लगभग 1.5°C बढ़ गया है, जो वैश्विक औसत से ज़्यादा है। इसका मतलब है: बर्फ़ का पिघलना अब साल में ज़्यादा लंबे समय तक जारी रहता है। बारिश का पैटर्न बदल गया है – कभी बहुत कम, तो कभी अचानक बहुत ज़्यादा। बादल फटने की घटनाएँ बढ़ी हैं, जिससे झीलों पर दबाव पड़ता है।

खान अब्दुल ग़फ़ार ख़ान: “सरहदी गांधी” – अहिंसा के सिपाही और सरहद के रखवाले

-अंग्रेज़ी हुकूमत से टकराव – जेल, गोलियाँ और कुर्बानियाँ

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सिर्फ़ भारत के मैदानी इलाक़ों के नेता ही नहीं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के ऐसे महान व्यक्ति भी थे, जिनकी कुर्बानियाँ और सेवाएँ आज भी इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज हैं। इन्हीं में से एक थे ख़ान अब्दुल ग़फ़ार ख़ान, जिन्हें दुनिया 'सरहदी गांधी' के नाम से जानती है। यह नाम उन्हें इसलिए मिला, क्योंकि उनका जीवन और संघर्ष महात्मा गांधी के सिद्धांतों — अहिंसा, सत्य और आपसी भाईचारे — से गहराई से जुड़ा था। वे पेशावर (आज के पाकिस्तान में) के पठान नेता थे, जिन्होंने न सिर्फ़ अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ संघर्ष किया, बल्कि अपने समाज में शिक्षा, एकता और अमन का संदेश भी फैलाया।

शुरुआती जीवन और पृष्ठभूमि ख़ान अब्दुल ग़फ़ार ख़ान का जन्म 6 फ़रवरी 1890 को उत्तर पश्चिम सरहदी प्रांत (North-West Frontier Province) के उदयमानज़ई गांव में हुआ। वे पठान (पश्तून) क़बीले से ताल्लुक रखते थे, जो अपने बहादुरी, स्वतंत्र स्वभाव और मेहमाननवाज़ी के लिए मशहूर हैं। उनके पिता बहारांम ख़ान एक समृद्ध ज़मींदार थे और क़बीलाई समाज में सम्मानित व्यक्ति माने जाते थे। बचपन से ही ग़फ़ार ख़ान में नेतृत्व की झलक नज़र आती थी। वे ऊँची सोच रखते थे और अपने लोगों की पिछड़ेपन और अशिक्षा से गहराई से चिंतित रहते थे। उस समय सरहदी इलाक़ों में शिक्षा की बहुत कमी थी और अंग्रेज़ सरकार भी वहाँ के लोगों को पढ़ाना नहीं चाहती थी, ताकि वे हमेशा पिछड़े और नियंत्रण में रहें। शिक्षा और सामाजिक जागरूकता ग़फ़ार ख़ान ने शुरुआती पढ़ाई अपने गांव में की और फिर पिशावर के एडवर्ड्स कॉलेज के लिए लंदन जाना चाहते थे ताकि सेना में अफ़सर बन सकें, लेकिन उनके परिवार और ब्रिटिश



अधिकारियों के बीच कुछ मतभेदों के चलते यह संभव न हो सका। उन्होंने महसूस किया कि पठानों की असली ताक़त शिक्षा में है। इसी सोच के तहत उन्होंने 1910 के दशक में अपने इलाके में अज़ाद इस्लामिया स्कूल की स्थापना की, जहाँ बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों की भी तालीम दी जाती थी। यह काम अंग्रेज़ों की आँखों में खटकने लगा, क्योंकि एक जागरूक और पढ़ा-लिखा समाज उनके शासन के लिए चुनौती बन सकता था। अहिंसक आंदोलन की राह 1919 का जलियांवाला बाग हत्याकांड और रौलेट एक्ट ने ग़फ़ार ख़ान को गहरे तक झकझोर दिया। उन्होंने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में शामिल होने का फ़ैसला किया। गांधीजी के अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांत ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। 1929 में उन्होंने खुदाई ख़िदमतगार (ईश्वर के सेवक) नाम से एक संगठन बनाया। यह संगठन विशेष रूप से पठानों को एकजुट करके अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ अहिंसक तरीके से संघर्ष के लिए तैयार करता था। खुदाई ख़िदमतगार के सदस्यों ने लाल रंग की वर्दी पहनी, जिसके कारण उन्हें "लाल कुर्ती वाले" (Red Shirts) भी कहा जाता था।

खुदाई ख़िदमतगार" आंदोलन खुदाई ख़िदमतगार का उद्देश्य केवल राजनीतिक आज़ादी नहीं था, बल्कि सामाजिक सुधार भी था। इसके मुख्य लक्ष्य थे: पठानों में शिक्षा का प्रसार महिलाओं की स्थिति में सुधार क़बीलाई झगड़ों और खून-खराबे को ख़त्म करना अंग्रेज़ों के अत्याचारों का अहिंसक प्रतिरोध ग़फ़ार ख़ान का मानना था कि अहिंसा सिर्फ़ एक राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन है। वे कहते थे "अहिंसा कायरो का हथियार नहीं, बल्कि बहादुरी का रास्ता है।"

खुदाई ख़िदमतगार आंदोलन ने पठान समाज में जागरूकता की लहर पैदा कर दी। अंग्रेज़ों को यह आंदोलन बेहद खतरनाक लगा, क्योंकि यह उस इलाके में फैल रहा था जिसे वे हमेशा से अशांत और हिंसक बताते आए थे। अंग्रेज़ी हुकूमत से टकराव ग़फ़ार ख़ान को कई बार गिरफ़्तार किया गया और उन्होंने अपने जीवन के कुल 30 साल जेल में बिताए। 1930 के दशक में पेशावर का किस्सा ख़वानी बाज़ार हत्याकांड एक महत्वपूर्ण मोड़ था। 23 अप्रैल 1930 को, खुदाई ख़िदमतगार के शांतिपूर्ण प्रदर्शन में अंग्रेज़ी सेना ने गोलियाँ चला दीं, जिसमें सैकड़ों लोग शहीद हो गए। इस घटना ने पूरे हिंदुस्तान में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ गुस्सा भड़का दिया। ग़फ़ार ख़ान को इस घटना के बाद गिरफ़्तार कर लिया गया, लेकिन उनका आंदोलन जारी रहा। वे कांग्रेस पार्टी के क़रीबी सहयोगी बने रहे और पंडित नेहरू, सरदार पटेल और मोलाना अबुल कलाम आज़ाद के साथ मिलकर स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदार बने।

गांधीजी से गहरा रिश्ता ग़फ़ार ख़ान और महात्मा गांधी के बीच गहरी दोस्ती और सम्मान का रिश्ता था। दोनों ही मानते थे कि हिंसा से कभी स्थायी समाधान नहीं निकल सकता। गांधीजी ने उन्हें "सरहदी गांधी" का नाम दिया, क्योंकि वे सीमावर्ती इलाके में अहिंसा के सबसे बड़े पैरोकार थे। जब गांधीजी की 1948 में हत्या हुई, तो ग़फ़ार ख़ान बेहद दुखी हुए। उन्होंने कहा – "यह मेरे पिता की हत्या के बराबर है। गांधीजी मेरे लिए एक मार्गदर्शक और आध्यात्मिक साथी थे।" बंवारि के दर्द 1947 में जब भारत का बंटवारा हुआ, तो उत्तर पश्चिम सरहदी प्रांत पाकिस्तान का हिस्सा बन गया। ग़फ़ार ख़ान पाकिस्तान बनने के खिलाफ़ थे, क्योंकि उनका मानना था कि विभाजन हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के लिए विनाशकारी होगा। उन्होंने पठानों के लिए एक स्वायत्त क्षेत्र या "पश्तूनिस्तान" की मांग की, लेकिन यह स्वीकार नहीं हुई। पाकिस्तान बनने के बाद भी उन्होंने अहिंसा और लोकतंत्र की वकालत जारी रखी, लेकिन वहाँ की सरकारों ने उन्हें अक्सर शक की नज़र से देखा। उन्हें कई बार जेल में डाला गया और यहाँ तक कि नज़रबंद भी रखा गया। जीवन के अंतिम वर्ष ग़फ़ार ख़ान ने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा जेल में और संघर्ष में बिताया। उम्र बढ़ने के बावजूद वे अपने सिद्धांतों से पीछे नहीं हटे। 1985 में उन्हें भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह दुर्लभ था, क्योंकि यह सम्मान एक ऐसे व्यक्ति को दिया जा रहा था, जो पाकिस्तान में रह रहा था। 20 जनवरी 1988 को उनका निधन पेशावर में हुआ। उनकी वसीयत के अनुसार उन्हें पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा के पार, जलालाबाद (अफ़ग़ानिस्तान) में दफ़नाया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

-छात्राओं और वीरगनाओं सहित प्रदेश भर की बहनों ने मुख्यमंत्री को बांधे रक्षासूत्र परम्परा और विरासत को आगे बढ़ाने में बहनों का अहम योगदान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन पर्व पर शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीरगनाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी बहनों एवं स्कूल-कॉलेज छात्राओं से रक्षासूत्र बंधवाया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए कहा कि इस त्योहार का हमारी संस्कृति में बहुत महत्व है। यह भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। हमारे ऐसे त्योहारों में समरसता एवं एकरूपता का संदेश निहित होता है। उन्होंने कहा कि हमारी परम्परा और विरासत को आगे बढ़ाने में बहनों का अहम योगदान है। बहनें परिवार में विभिन्न भूमिकाएं निभाते हुए उसे संजोने एवं संस्कारित करने की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसलिए हमारी संस्कृति में बहनों का स्थान सर्वोपरि होता है। शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर छोटी एवं बड़ी बहनों का स्नेह एवं



आशीर्वाद मुझे मिला है। यह मेरे लिए अभेद्य सुरक्षा कवच है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य क्षेत्रों के साथ ही सामाजिक सरोकारों के माध्यम से भी देश को आगे बढ़ाया है। उन्होंने स्वच्छता, लिंगानुपात, पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में जन-जागरूकता की अलख जगाई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से आह्वान किया कि वे पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक कार्यों से भी जुड़े और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित भाई-बहनों को उनका लाभ दिलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इससे ही समाज में बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री ने

कहा कि माता-बहनों के शिक्षित एवं सशक्त होने से ही देश और प्रदेश उलूख बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश की नारियों ने अपने महान कार्यों से इतिहास रचा है, उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे भी जीवन में साहसिक रूप से कार्य करते हुए अपने सपनों को पूरा करें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से संवाद किया और उन्हें सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए। इस दौरान चिकित्सा, कानून व्यवस्था एवं न्याय सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी नारी शक्ति ने राज्य सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने मेगा पौधारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। वन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा के मुख्य अतिथ्य में शुक्रवार को नीमराना के रीको एरिया में मेगा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने उद्योगपतियों से संवाद भी में किया। शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम और मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, रीको नीमराना एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल, नीमराना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण कर पर्यावरण संतुलन एवं संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व ने राज्य पर्यावरणीय चेतना को केवल नीति तक सीमित नहीं रख रहा बल्कि उसे जन-आंदोलन का रूप दे रहा है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, हरियालो राजस्थान। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने हरियालो राजस्थान— मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान शुरू किया। प्रदेश में पिछले मासूतन में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। उन्होंने आमजन से अभियान में शामिल होते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण कर उनकी देखभाल करने की



आपीक की। कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि नीमराना में लगे उद्योगों के प्रबंधन ने नीमराना औद्योगिक क्षेत्र एवं आस-पास लगभग 3 लाख पौधे लगाने का महासंकल्प लिया है, जिसमें अभी तक करीब 2 लाख 30 हजार से ज्यादा पौधे लगाये जा चुके हैं। नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, रीको नीमराना एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल नीमराना के संयुक्त तत्वाधान में नीमराना में उद्योगपतियों ने एक साथ एक जगह ईपीआईपी औद्योगिक क्षेत्र नीमराना में 1100 पौधे लगाकर इस महाअभियान को मूर्त रूप दिया।

उद्योगपतियों से किया संवाद- शर्मा ने प्रदूषण एवं राजस्थान वायु गुणवत्ता प्रबंधन द्वारा की जा रही कार्यवाही पर उद्योगपतियों की समयापूर्व व सुझावों को रीको सभागार में विशेष चर्चा कर सुना। इस दौरान उद्योगपतियों ने उद्योगों को नहर द्वारा यमुना या ईआरसीपी का पानी दिलवाने एवं नीमराना को एनसीआर से बाहर करने के मुद्दे को लेकर अपनी मांगें रखी, जिस पर शर्मा द्वारा आश्वासन दिया गया कि इस पर राज्य सरकार व केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से उद्योगों को पानी उपलब्ध करवाने के प्रयास करेंगे ताकि उद्योग अपने उत्पादन एवं संचालन में किसी प्रकार की कमी महसूस न करें। उन्होंने कहा कि सरकार राईजिंग राजस्थान के तहत उद्योगों के हित में पूर्णतया समर्पित है, उद्योगों के लिए विभिन्न योजनाओं की घोषणा की गई है, जिनमें कुछ धरातल पर उतर भी चुकी हैं। शर्मा ने गत वर्ष मुख्यमंत्री द्वारा नीमराना इंडस्ट्रियल एरिया में 150 करोड़ की विकास संबंधी योजनाओं की घोषणाओं तथा उनके क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद अर्पित किया। उन्होंने बहनों से राखी बंधवा कर सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। शर्मा ने प्रदूषण मंडल की सिंगल यूज प्लास्टिक बैन की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए कपड़े बैग का आमजन में वितरण किया।

यूरिया का सभी जिलों में पारदर्शितापूर्ण वितरण -प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मै.टन यूरिया उपलब्ध

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि विभाग की ओर से यूरिया की दैनिक उपलब्धता की समीक्षा कर कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों को चिन्हित करते हुए सभी जिलों में प्राथमिकता से पूर्ण पारदर्शिता से वितरण किया जा रहा है। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरन्तर केंद्र सरकार से समन्वय कर प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मैट्रिक टन (एम.टी.) यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। श्री गंगानगर जिलें में सबसे अधिक 18777 एम.टी. जोपुर में 12971, टोंक में 11900, नागौर में 8851 एवं बारां में 8583 एम.टी. यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता वाले जिलों में आगामी 3-4 दिवस में यूरिया की आपूर्ति हेतु कार्यवाही की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से यूरिया एवं डीएपी का राज्यों को माहवार व कम्पनीवार आवंटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आवंटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर उर्वरकों का वितरण कराया जाता है। अप्रैल से अगस्त तक केंद्र से स्वीकृत 8.82 लाख एम.टी. यूरिया के विरुद्ध 6.97 एम.टी. की आपूर्ति एवं आपूर्ति जारी। राजन विशाल ने बताया कि खरीफ में अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8.82 लाख मै.टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 6.97 लाख मै.टन की आपूर्ति कराई जा चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.85 लाख मै.टन यूरिया की

आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता फर्मों को शत-प्रतिशत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया कि कृषकों को मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रूप से वितरण कराने व उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही हेतु समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल ने बताया कि गत 3 वर्षों में खरीफ सीजन के माह अप्रैल से अगस्त तक यूरिया की औसत खपत 9.39 लाख मै.टन रही है। खरीफ 2025 में अप्रैल से अब तक यूरिया की कुल मांग 6.88 मांग लाख मै.टन के विरुद्ध राज्य में प्रारम्भिक स्टॉक सहित 9.56 लाख एम.टी. यूरिया की उपलब्धता हो चुकी है एवं निरंतर आपूर्ति जारी है। उन्होंने बताया कि खरीफ 2025 में अप्रैल से अगस्त तक केंद्र सरकार द्वारा आवंटित 4.75 लाख मै.टन डीएपी के विरुद्ध अब तक 2.73 लाख मै.टन की आपूर्ति हो चुकी है। डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एनपीके की 1.23 लाख मै.टन व एसएसपी 1.60 लाख मै.टन की अभी तक आपूर्ति हो चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.18 लाख मै.टन डीएपी की राज्य में आपूर्ति कराई जा रही है।

गत वर्ष की तुलना में 16.12 लाख हेक्टेयर में अधिक बुवाई- आयुक्त कृषि ने बताया कि इस वर्ष प्री-मान्सून एवं मानसून के दौरान लगातार वर्षा होने के कारण कृषकों द्वारा यूरिया की निरन्तर मांग की जा रही है। इस वर्ष राज्य में गत वर्ष की तुलना में 16.12 लाख हेक्टेयर अधिक बुवाई हुई है, जिसमें विशेषकर मक्का 6 प्रतिशत, धान 15 प्रतिशत एवं कपास 25 प्रतिशत की अधिक बुवाई हुई है, जिसके कारण यूरिया की मांग अधिक है। विभाग द्वारा राज्य के कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है। खरीफ 2025 में कालाबजारी, टैगिंग जमाखोरी, डायवजन तथा गैर कृषि कार्य में उपयोग की रोकथाम हेतु राज्य के 39 आदान विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित एवं 9 निरस्त किये गये, 65 स्थानों पर उर्वरकों की जब्ती की गई। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन किये जाने के फलस्वरूप उर्वरक विनिर्माताओं व विक्रेताओं के विरुद्ध 44 एफ.आई.आर. दर्ज की गई। राज्य के उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा एवं पंजाब राज्यों से लगती सीमाओं के सीमावर्ती जिलों में चौक पोस्ट स्थापित की जाकर यूरिया डायवजन रोकने हेतु नियमित निगरानी की जा रही है। साथ ही प्लाईवुड, रेजिन, डेफ, पोलिमर्स निर्माण इकाईयों के यहां यूरिया के गैर कृषि कार्यों के उपयोग की आशंका के कारण राज्य स्तर पर टीमों का गठन किया जाकर छापेमारी की गई, जिसमें 11 स्थानों पर कार्यवाही करते हुये 621.8 मै.टन यूरिया जब्त किया गया एवं नीम कोटेड यूरिया पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध 4 एफआईआर दर्ज कराई गई है।

यूथ व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष राठौड़ का किया स्वागत

-राठौड़ ने नव नियुक्त यूथ कांग्रेस प्रदेश पदाधिकारियों को दी शुभकामना

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर रोड स्थित न्यू मकराना राज होटल पर शनिवार को पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक चर्चा की। साथ ही यूथ कांग्रेस के नव नियुक्त प्रदेश सचिव सुरेश भड़ाना, प्रदेश सचिव संजय मेघवंशी, प्रदेश महासचिव मिथलेश टाक को मालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ व पूर्व ओबीसी वित्त आयोग के अध्यक्ष पवन गोदारा का 51 किलो की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने संबोधित करते कहा कि आने वाला समय लोक सभा नेता विपक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी का है। राहुल गांधी ने जो फर्जी वोटर्स, वोट चोरी व वोटो की हेराफेरी का बड़ा खुलासा किया है। अब हम सबको जिम्मेदारी के साथ वोटो की चोरी को रोकने के लिए सचेत रहना होगा। आज हम सभी कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं



ने संकल्प लिया कि भाजपा नेताओं और मोदी सरकार के इशारे पर हो रही वोट चोरी और फर्जी वोटर्स की कारगुजारी तथा चुनाव आयोग कार्यशैली पर नजर रखेंगे और वोटर्स फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ करके जनता के सामने लाएंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी को यूथ कांग्रेस से बड़ी उम्मीद है, इसलिए यूथ कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उनके विश्वास पर खरा उतरें। राठौड़ ने प्रदेश की भजन लाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार पूरी तरह से फेल है और जनता परेशान है। कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर आने वाले चुनावों में भाजपा सरकार

को सबक सिखाएंगे। इस अवसर पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली ने पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ सहित कांग्रेस पदाधिकारियों को तिलक लगाकर व मिठाई खिलाकर राखी बांधी। इस अवसर पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली, पार्षद नोतर गुर्जर, पार्षद हमीद चीता, ब्लॉक अध्यक्ष शोहन अग्रवाल, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक, सम्राट ऊंटडा, विश्राम चौधरी, आरिफ खान, युनुस शेख, अशरफ अली, निर्मल पारीक, पवन ओड, हरिप्रसाद जाटव, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर नेकी महाराज भी उपस्थित रहे।

एफआरटी कर्मचारी वेतन वृद्धि समेत बकाया एरियर को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतरे कंपनी कार्मिक

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले समेत आसपास के क्षेत्र में विदूत निगम के तहत कार्यरत एफआरटी कर्मचारियों ने वेतन और एरियर को लेकर विरोध जताया। शाहपुरा बिजली ग्रेड में शाहपुरा, मनोहरपुर, राडावास, विराटनगर के कार्मिकों ने विरोध जताते हुए पैदल मार्च निकाला। शाहपुरा विधायक मनीष यादव के नाम कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सेनी को मांगो को लेकर ज्ञापन सौपा।कार्मिकों ने कहा कि यदि कंपनी ने हमारी मांगे नहीं मानी तो भूख हड़ताल पर करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी कंपनी की होगी। प्राप्त जानकारी के एफआरटी टीम के कर्मचारी पिछले लगभग आठ वर्षों से ठेका आधारित कर्मचारियों के माध्यम से विभाग में कार्यरत है अभी वीजन प्लस कंपनी को टेंडर दे रखा है। जो न तो समय पर वेतन वृद्धि का लाभ मिला और न ही पिछली सरकार द्वारा घोषित 26 रूपये प्रतिदिन की न्यूनतम वेतन बढ़ोतरी का भुगतान किया गया है। विरोध जताते समय कार्मिक उमेश सैनी, रामावतार यादव, नरेश जाट, राहुल रूडला, मुकेश स्वामी, रूचवीर

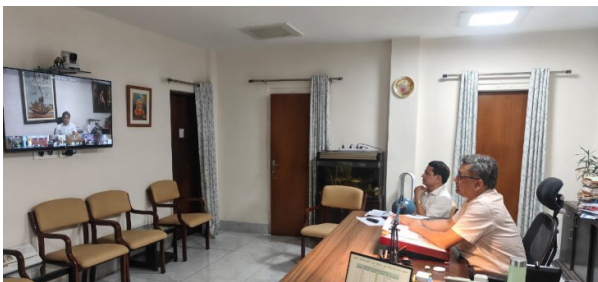


यादव, मनीष यादव, नरेश शर्मा, कमलेश सैनी, कृष्ण सेनी, अशोक जाट, बृजेश चौधरी, जलेंद्र जाट, रूडा देवदा, मनीष लाल यादव, राजू शर्मा, रामनिवास यादव समेत काफी कार्मिक मौजूद रहे। कार्मिकों की मुख्य मांगें- लाइनमैन का मासिक वेतन 21 हजार तथा हेल्पर का 18 हजार करने, हर शिफ्ट में रेस्ट रिलिबर की नियुक्ति करने, अनुभव प्रमाण पत्र न देने पर कंपनी को बाध्य करने, कर्मचारियों को आवश्यक सेफ्टी उपकरण मुहैया कराने, एफआरटी टीम को केवल एलटी लाइन कार्य सौंपने, गाडियों पर ड्राइवर नहीं होने पर लाइनमैन ही ड्राइवरी कर जान जोखिम में

डाल रहे हैं समेत 13 मांगों को हड़ताल पर उतर गये है। कार्मिकों ने बताया कि लाइनमैन को केवल 8155 और हेल्पर को 6552 की अल्प वेतन राशि दी जा रही है, जो मौजूदा मंहगाई में पर्याप्त नहीं है। कंपनी की ओर से कार्मिकों का ईएसआई और पीएफ भी ठीक से मंटेन नहीं किया गया। 7 दिन का अल्टीमेटम, भूख हड़ताल करेगे कार्मिक- कार्मिकों ने विभागीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए कहा कि आगामी 7 दिवस में निस्तारण नहीं होता है तो कंपनी के खिलाफ भूख हड़ताल पर रहकर विरोध जतायेगे।

राईजिंग राजस्थान के एमओयू प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने शुक्रवार को राईजिंग राजस्थान के तहत किये गये एमओयू के त्वरित निस्तारण के संबंध में समस्त जिला कलेक्टर्स के साथ बैठक कर प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने राईजिंग राजस्थान में किये गये एमओयू प्रकरणों में जिला कलेक्टर्स को प्राप्त संपरिवर्तन, भूमि आवंटन एवं सौर उर्जा से संबंधित समस्त प्रकरणों के संबंध में चर्चा कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। दिनेश कुमार ने भूमि आवंटन प्रकरणों में बैंक अप्रैजल रिपोर्ट एवं मापदण्डों से अधिक भूमि के आवेदन होने की स्थिति में राजस्व नियमों के परीक्षण कर राज्य सरकार को प्रेषित करने के निर्देश दिये। प्रमुख शासन सचिव द्वारा भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों के निस्तारण हेतु जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त



करने के निर्देश दिये गये जिससे नोडल अधिकारियों द्वारा निवेशकों से भूमि के चिन्हिकरण, आवेदन अथवा अन्य मुद्दों के संबंध में समन्वय किया जा सके। समीक्षा बैठक में राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन विभाग द्वारा भी जिला कलेक्टर्स को विभागीय एम3 एवं एम4 के प्रकरणों में जिनमें भूमि के उपलब्ध है, उन निवेशकों के मुद्दों को संबंधित सभी विभागों के साथ बैठक का आयोजन कर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

रोहित गुप्ता, सीएमडी, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लि. द्वारा जिला कलेक्टर्स को आर.आर.ई.सी.एल. द्वारा भिजवायी गई भूमि आवंटन अनुशंशा के प्रकरणों में समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण कर प्रस्ताव तैनात माह में समायाविधि में राज्य सरकार को प्रेषित किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिव स्तर से भी जिला कलेक्टर्स को नियमों के परिपेक्ष्य में प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राज्य सरकार की मंशानुसार करने के निर्देश दिये गये।

'कृषक उपहार योजना' में संशोधन को स्वीकृति -ई-नाम पोर्टल पर कृषि जिंसों की बिक्री को मिलेगा प्रोत्साहन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार ने किसानों को पारदर्शी और डिजिटल माध्यम से कृषि जिंसों की बिक्री हेतु प्रोत्साहित करने के लिए संचालित 'कृषक उपहार योजना' में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। अब इस योजना का लाभ उन किसानों को ही मिलेगा जो ई-नाम पोर्टल के माध्यम से बिक्री करते हुए ई-पेमेंट (बैंक/डिजिटल भुगतान) प्रणाली से भुगतान प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कृषि विपणन विभाग द्वारा

भिजवाए गए प्रस्ताव के अनुसार अब उन्हीं किसानों को उपहार कूपन जारी किया जाएगा, जिनकी जिंसों की बिक्री हेतु प्रोत्साहित करने के लिए संचालित 'कृषक उपहार योजना' में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। अब इस योजना का लाभ उन किसानों को ही मिलेगा जो ई-नाम पोर्टल के माध्यम से बिक्री करते हुए ई-पेमेंट (बैंक/डिजिटल भुगतान) प्रणाली से भुगतान प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कृषि विपणन विभाग द्वारा

पर बिक्री के साथ-साथ किसान और व्यापारी तत्काल एवं सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के लिए प्रेरित होंगे। संशोधित योजना में ई-पेमेंट से प्राप्त कृषि उपज विक्रय की प्रति 10 हजार रूपयों की राशि एवं इसके गुणकों में उपहार कूपन ई-नाम सॉफ्टवेयर द्वारा जारी किए जा सकेंगे। प्रत्येक 6 माह में मंडी स्तर पर डूँ निकालकर 50,000 रूपयों का प्रथम पुरस्कार 30,000 रूपयों का द्वितीय पुरस्कार और 20,000 रूपयों का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

शाबंधन भाई-बहन के बीच स्नेह, सम्मान और विश्वास का प्रतीक है - डी के सोनी



मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में रक्षा बंधन का पर्व विधिवत रस्म ओ रिवाज के हर्षोल्लास के साथ मे मनाया गया। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, जो उनकी सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना का प्रतीक है। भाईयों ने अपनी बहनों को उनका मन पसन्द का उपहार दिया और उनकी रक्षा करने का वचन दिए। रक्षा बंधन की कई पौराणिक और ऐतिहासिक कथाएँ

प्रचलित हैं, जो इस त्योहार के महत्व को दर्शाती हैं। मनोहरपुर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष डी के सोनी ने कहा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के बीच प्रेम और स्नेह का त्योहार है। यह त्योहार भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करता है और एक-दूसरे के प्रति समर्पण और सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देता है। यह त्योहार भाई-बहन के बीच स्नेह, सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।

पठान बने जिला ब्यावर के सह प्रभारी



मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। आला कमान ने जो मुझ पर भरोसा किया है मैं उस भरोसे को हमेशा कायम रखूँगा व कांग्रेस की रीति और नीति को बतकर जनता को कांग्रेस में शामिल करूँगा। पठान ने कहा कि कांग्रेस के राज में जनता सुखी हुआ करती थी सभी सामान सस्ते थे। लेकिन भाजपा के राज में सभी वर्ग दुःखी और परेशान हैं और कमर तोड़ मंहगाई परेशान कर रही है इससे आम जनता दुःखी है। उल्लेखनीय है कि कर्तव्यनिष्ठ परिश्रमी ईमानदार दिलदार कांग्रेस की नीति व रीति को बतकर कर कांग्रेस में शामिल करने वाले आंधी के कांग्रेस के दिग्गज नेता नदीम खान पठान की काबिलियत के दम पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक) के प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार ने पठान को

ब्यावर जिले का सह प्रभारी बनाया है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं व जयपुर ग्रामीणवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पटाखे छोड़कर पठान का मुंह मीठा कराके साँफा बंधवाकर स्वागत किया। इस पर पठान ने आला कमान का शुक्रिया अदा किया है। उल्लेखनीय है कि नदीम खान पठान जिसके पक्ष में चुनाव का प्रचार करने के लिए चुनाते हैं वह ईसान जरूर जीत जाता है क्योंकि जनता पठान साहब का मान सम्मान करती रहती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पठान साहब फ़िल्म स्टार सलमान खान की तरह सभी लोगो के दिल के अरमानों को पूरा करते हैं। पठान साहब बुझी हुई उम्मीदों का आखरी सहारा है इनसे जो मिलता है उसके सारे दुःख दूर हो जाते हैं।

मोहर्म की तैयारी को लेकर बैठक

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कस्बा अमरसर में 40 वें के मोहर्म निकाले जाएंगे। 14 अगस्त 2025 को रात्रि में व 15 अगस्त 2025

को दिन में निकाले जाएंगे जिसमें दूर-दूर से देखने वाले आएंगे और अखाड़ेबाजी में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए जाएंगे।

जोन-11 में नेवटा बांध के भराव क्षेत्र की भूमि से अतिक्रमण हटाए

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-11 ग्राम नेवटा बांध के भराव/डूब क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम नेवटा, तहसील सांगानेर में नेवटा बांध के भराव/डूब क्षेत्र की भूमि पर अतिक्रमण के व्यवसायिक प्रयोजनार्थ अवेध कच्चे-पक्के निर्माण लोहे के ऐंगल लगाकर तैनात माह में समायाविधि में राज्य सरकार को प्रेषित किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिव स्तर से भी जिला कलेक्टर्स को नियमों के परिपेक्ष्य में प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राज्य सरकार की मंशानुसार करने के निर्देश दिये गये।

के साथ आज उपायुक्त जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटाया जाकर नेवटा बांध के भराव/डूब क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10, 11, 14 पुलिस आयुक्तालय जयपुर शहर से प्राप्त अतिरिक्त पुलिस बल, स्थानीय पुलिस थाना बगरू, सेज का जाप्ता तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जापते, लेबरगाई एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

आवश्यक नम्बर		रॉयल पत्रिका
विजली फॉल्ट के लिए		
टोल फ्री नंबर	18001806507	
वॉट्सएप नंबर	9414037085	
कन्सप्ट केयर	22030000	
आईबीआरएस	1912	
कचरा गाड़ी के लिए		
ग्रेटर	2747400	
सीवरेज लीकेज	2607500	
हेरिटेज	2607500	
टोल फ्री नंबर	14420	
पुलिस की मदद के लिए		
साइबर क्राइम	1930/2360094	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	
चाइल्ड हेल्पाइन	1098	
महिला हेल्पलाइन	1090	
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	
पानी के लिए		
जलदाय कार्यालय	2706624	
फायर ब्रिगेड	2747400	
मेडिकल इमरजेंसी के लिए		
एंबुलेंस	102/108	
एसएम्एस इमरजेंसी	2518333	
महिला चिकित्सालय	22610616	
जनाना हॉस्पिटल	22378721	
SDMH	22574189	
SMS व्हाट्स वैक	22518222	
कल्याण व्हाट्स वैक	22721771	
घायल पशुओं के लिए		
नगर निगम	2747400	
बर्ड वाइक	9887345580	
हेल्थ इन सफरिंग	8107299711	
जनघन टूरट	7230055800	
पशु चिकित्सालय	2747400	

अंग्रेजों भारत छोड़ो वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानी वीर जवान शहीदों को याद किया गया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय शहर ब्लॉक व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में डेलिया हाउस में आज अंग्रेजों भारत छोड़ो वर्षगांठ पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के वीर जवान शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा 9 अगस्त 1942 को गांधी जी के नेतृत्व में 'भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू हुआ, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। आज 9 अगस्त क्रांति दिवस पर हम उन सभी वीरों को नमन करते हैं जिन्होंने आज़ादी के लिए बलिदान दिया। मंडेलिया ने कहा देश में आज ऐसे संगठन देश भक्ति का झूठा ढिंढोरा पीट रहे हैं, जिनके कार्यालय पर वर्षों तक राष्ट्रीय झंडा नहीं लगाया जाता था और ना ही इनके संगठन से जुड़े नेताओं का देश को आज़ादी दी लाने में योगदान रहा है। देश में लोकतंत्र और संविधान को इस



वक्त साज़िश के तहत कमज़ोर किया जा रहा है। इस साज़िश के खिलाफ हमारे नेता राहुल गांधी देश भर में मजबूती के साथ अपनी बात रख रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व सभापति गोविंद महानसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, धर्मद बुडानिया, किसान नेता आदुराम चौहान, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, पूर्व उपजिला प्रमुख सोहनलाल मेघवाल, पूर्व अध्यक्ष अबरार

खान, हेमन्त सिहाग, शिवकुमार शर्मा, हर्ष लाम्बा, पार्श्व अज़ीज़ खान, संजय भाटी, शाहरुख खान, डॉ. प्यारेलाल दानोदिया, अली मोहम्मद भाटी, आबिद खान जाबासरिया, बजरंग बजाड़, जितेंद्र शर्मा, समीउल्लाह गौरी, आरिफ रिसालदार, श्रवण बसेर, चंदनमल मेघवाल, खालिद कुरेशी, शाहिद खान, असलम खान मोयल, आसिफ निर्वाण आदि ने स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों को याद किया।

पुलिस थाना गोविंदगढ़ ने नकबजनी की वारदात का किया पर्दाफाश

चौमू, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना गोविंदगढ़ को बड़ी सफलता मिली है। ग्राम पंचायत नांगल कोजू में मकान के जंगली तोड़कर नकबजनी करने की वारदात का पर्दाफाश किया है। वारदात करने वाले नकबजन हजारी लाल व चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी सुनार विजय को गिरफ्तार किया है। अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी आईपीएस ने जानकारी देते हुए बताया की दिनांक 29. 5.2025 को परिवारी मुरलीधर पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण जाति कुम्हार व परिवारी मनीष कुमार पुत्र मालीराम जाति यादव निवासीनांगल कोजू थाना गोविंदगढ़ जिला जयपुर ने पुलिस थाना गोविंदगढ़ पर रिपोर्ट की दिनांक 28.5.2025 की रात्रि को हमारे घर पर अज्ञात चोर मकान के जंगलों को तोड़कर मकान में घुसकर सोना- चांदी के आभूषण नगदी रुपए व अन्य सामान चुरा कर ले गए। आदि रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। चोरी की वारदातों पर अकुंश लगाने हेतु नकबजनी करने

वाले आरोपियों कि शोध गिरफ्तारी वी माल बरामदगी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मु ख्त । ल य) रजनीश पूनिया व वताधिकारी गे ि व द ग ढ राजेश जांगिड़ के निकटतम सुपरविजन में था थाना अधिकारी गोविंदगढ़ के चंद्रशेखर शर्मा उप निरीक्षक मय डीएसटी टीम जयपुर ग्रामीण के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए अज्ञात आरोपियों का पता लगाकर दबिश वांछित आरोपी हजारीलाल पुत्र नारायण राम जाति मीणा निवास नयाबास थाना नीमकाथाना कोतवाली जिला सीकर को डिटैल कर पूछताछ की नकबजनी की वारदात करना स्वीकार किया जिसे आरोप को गिरफ्तार किया गया। आरोपी



से चोरी किए गए आभूषणों की पूछताछ की तो विजय पुत्र कमलेश जाति सोनी निवासी रामपुरा थाना खंडेला जिला सीकर को बेचना बताया इस पर विजय सोनी को डिटैल पर पूछताछ की तो चोरी का माल खरीदना बताया जिस पर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर इत्ता पर चोरी का सामान्य चांदी सोने के आभूषण किया। इस प्रकरण अन्य आरोपियों कि तलाश व अनुसंधान जारी है। पुलिस की टीम में रामनिवास से कांस्टेबल, डीएसटी सत्येंद्र हेड कांस्टेबल, भारत भूषण कानिदिनेश कुमार कानि.देशराज सिंह, कानि.राकेश कुमार, कानि.सामिल रहे ।

मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को आदिवासी दिवस पर मेहनाज पटेल ने बांधा रक्षा सूत्र

-आदिवासी परिधान में दिखा भाजपा नेत्री का

अनोखा अंदाज़

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। आदिवासी दिवस के अवसर पर दौसा जिले के मीणा हाईकोर्ट प्यारी, नागलवास में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा मुस्लिम नेत्री सवाई माधोपुर जिला सोशल मीडिया सह-संयोजक मेहनाज पटेल ने आदिवासी परिधान पहनकर केबिनेट मंत्री राजस्थान डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध रक्षाबंधन पर्व व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। पटेल इन दिनों सवाई माधोपुर में काफी सक्रिय



है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के भरोसेमंद कार्यकर्ताओं में शामिल है। भाजपा सरकार और संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम में अग्रसर रहती है।

लोक अदालत में हुआ 35 प्रकरणों का निस्तारण



चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग, चूरू में लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष हेमन्त धारीवाल एवं सदस्य सुभाष चन्द्र बरबड़, ऋतुराज, अमित कुमार प्रजापत की उपस्थिति में विद्वत विभाग के लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति से निस्तारण किया गया। उल्लेखनीय है कि समझौते के आधार पर दोनों पक्षों को न्यायिक प्रक्रिया में समय और व्यय की बचत हुई। लोक अदालत में कुल 40 प्रकरण रखे गये, जिनमें

से कुल 35 मामलों का निपटारा पक्षकारों की सहमति से किया गया अध्यक्ष हेमन्त धारीवाल ने बताया कि लोक अदालत उपभोक्ताओं के हित में त्वरित न्याय प्रदान करने का एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर भंवर सिंह, सुदर्शन चुलेट, तरुण सोनी, मोहित सिंह, डिस्कॉम से विश्रामलाल सैनी, अब्जल को खां, युनुस खां, अधिवक्ता धनाराम सैनी, कृपाल सिंह, सांवरमल स्वामी, सूर्यप्रकाश, पवन कुमार प्रजापत व आयोग के कर्मचारी मौजूद रहे।

ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव बनने पर किया नियाज़ अहमद का स्वागत



कोटा (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया सीरत कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फजले हक कादरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी, जिसमें संभाग सीरत कमेटी कोटा के अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया।

दिल्ली से कोटा लौटने के बाद नियाज़ अहमद निक्कू का पार्श्व सोनू अब्बासी के नेतृत्व में माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। इस दौरान जोनी राईन, जकीउद्दीन, हयात कुरंशी, मुजाहिद अब्बासी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बहिनों ने अपने भाईयों के कलाई पर बांधी राखी

चौमू, (रॉयल पत्रिका)। शहर में रक्षाबंधन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन मानवता की सबसे अदृष्ट रिश्तों में से एक भाई-बहन की बंधन का उत्सव है। यह त्योहार प्रेम, कर्तव्य और एकता के मूल्यों को समाहित है। भाई बहन के बीच प्रेम और सुरक्षा के बंधन का जन्म मनाया गया। इस दिन बहनें अपने भाइयों के मस्तक पर टीका लगाकर उनकी कलाई पर पवित्र एवं सजावटी राखी बांधकर उनकी खुशहाली, सफलता और दीर्घायु की कामनाएं की। भाई जीवन पर उनकी रक्षा का वचन देकर ढेर सारे उपहार दिए। बहिन ने अपने भाई को तिलक लगाकर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनकी



नारियल का गिट्ट दिए। इसके बदले में भाई ने अपनी बहिन को रूपये एवं ढेर सारे उपहार दिए। भाई के साथ-साथ नन्हें-मुन्ने बच्चे भी कलाई पर राखी बांधने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। हिमांशु ने बताया कि संगीता, मनीषा, अशिका आदि ने भी राखी बांधने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी अपने भाइयों की रक्षा के लिए कलाई पर राखी बांधी एवं दीर्घायु की कामना की।

डोला का बास के स्थित बिरसा मुंडा भीमराव अंबेडकर वाचनालय में भगवान की तस्वीर पर

-आए हुए गांना माननीय लोगो के द्वारा पुष्य अर्पित कर पुष्यांजलि दी

चौमू, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत डोला का बास के स्थित परिसर में बिरसा मुंडा भीमराव अंबेडकर वाचनालय में भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पधारे गणमान्य लोगों द्वारा पुष्य अर्पित कर पुष्यांजलि दी गई तत्पश्चात प धारे महानुभावों का आदिवासी रीति रिवाज से सम्मान किया गया उपस्थित सभी व्यक्तियों ने विश्व आदिवासी दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जल जंगल जमीन संस्कृति पर्यावरण संविधान नशा मुक्ति अंधविश्वास शिक्षा स्वास्थ्य अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया तत्पश्चात हर वर्ष की भांति रेती के रूप में घर-घर जाकर विभिन्न प्रकार के



पौधे 1 अमरूद 2 जामुन 3 बिल पत्र 4 अनार 4 केरुंदा 5 नींबू 6 सेब आदि प्रकार के पौधे वितरण किए गए सार्वजनिक स्थानों पर उत्तम कालिटी के छायादार वृक्ष 1 बोलल पाम 2 चकरसिया 3 करंज 4 कदम 5 बोलल ब्रश 5 जामुन 6 फाईकस 7 अशोक 8 कोने आखरी 9 ट्रोलिएया 10 मौलसरी 11 अर्जुन आदि प्रकार के पौधे

जिनकी ऊंचाई 10 फिट है लगाई गई फिर उपस्थित सभी व्यक्तियों ने निर्णय लिया की निशुक्ल रूप से संचालित वाचनालय में प्रतियोगिता संबंधी किताबें अखबार ऐसे बच्चे जो खर्चा उठाने में असमर्थ है उनकी हर प्रकार से मदद करने का संकल्प लिया पधारे हुए सभी को मिठाई खिलाकर कार्यक्रम का समापन किया ।

अल्पसंख्यको के होनहार छात्र छात्राओं को सम्मानित करेगा रकमा संगठन

-17 अगस्त को होगा टाउन हॉल में समारोह

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज.अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ कादिर हुसैन ने बताया कि 17 अगस्त को मातु श्री कमला गोपनका टाउन हॉल चूरू में रकमा संगठन की जिला इकाई द्वारा प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। जिसके लिए विभिन्न तरह की कमेटीयों का गठन किया जा चुका है और सभी अपने अपने तरीके से तैयारियों में लगे हुए हैं। रकमा संगठन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किये जाने वाले के डाटा कलेक्ट किए जा रहे हैं जिसके लिए जिले में तहसील वार जिम्मेदारी दी गई है। चूरू के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद वसीम अली भाटी, रतनगढ़ के लिए मोहम्मद अनवर कुरेशी सेवा निवृत्त

सीबीईओ, राजगढ़ के लिए हासम खान प्राचार्य, तारानगर के लिए फरमान खान लैब टेक्नीशियन, सुजानगढ़ के लिए मोहम्मद अकरम अध्यापक, और सरदार शहर के लिए इलियाश मोहम्मद खान वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक को जिम्मेदारी दी गई है। इसी के साथ साथ लिस्ट को एकत्र कर फाइनल लिस्ट बनाने की जिम्मेदारी इमरान खान एएओ पीएचडी को दी गई है। राज.अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयुब खान वरिष्ठ लिगल आफिसर ने कहा है कि समाज के अग्रिम पंक्ति के समाज सेवियों और अल्पसंख्यक अधिकारी व कर्मचारियों को आगे आकर सम्मान समारोह को सफल बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है।जिला प्रवक्ता मोहसिन खान ने बताया कि इस सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं में 85% या इससे उपर, राष्ट्रीय और

अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी,एन सी सी में सी सर्टिफिकेट, स्कूट एवं गाइड में राष्ट्रपति अवार्ड, 1 जनवरी 23 के बाद सरकारी सर्विस में नव नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी, 1 जनवरी 23 के बाद सेवा निवृत्त हुए अधिकारी और कर्मचारी, अल्पसंख्यक पत्रकार, पीएचडी,आइ आइ टी,आइ एम,युजीसी नेट,जेईई,सेट, क्लियर,सीए, आइसीडब्ल्यू,सीएस क्लियर, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएट में 70 % या इससे उपर अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र व छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। जिन्हें जिला स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। रकमा के जिला सचिव जाकिर हुसैन एएओ व कयूम खान लेक्चरर ने बताया कि आवेदन की अंतिम तारीख 14 अगस्त 2025 रखी गई है।

कांग्रेस ने मनाया अगस्त क्रांति दिवस

मोहम्मद यासीन पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में अगस्त क्रांति दिवस मनाया गया। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर कांग्रेस भवन पर ध्वजारोहण कर तत्पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजीज दर्द ने कहा कि 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में 'भारत छोड़ो आंदोलन' का ऐलान हुआ और अगले ही दिन 9 अगस्त को देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जन सैलाब उमड़ पड़ा। करो या मरो- यह केवल एक नारा नहीं था। बल्कि हर भारतीय के दिल की पुकार थी यह क्षण था जब भारत की जनता ने दृढ़ निश्चय किया- "अब आजादी चाहिए, और हर कीमत पर लेकर रहेंगे। पाली विधायक भीमराज भाटी ने कहा कि यह आंदोलन अंग्रेजों की हुकूमत की नींव हिला देने वाला सिद्ध हुआ। पाली ब्लॉक



अध्यक्ष हकीम भाई ने कहा कि अगस्त क्रांति दिवस पर हम उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करते हैं। जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर आजादी दिलाई। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, पाली विधायक भीमराज भाटी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कोठारी, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हकीम भाई, पुर्व सभापति प्रदीप हिंडी, वरिष्ठ नेता जब्बरसिंह राजपुरोहित, जिला संगठन महामंत्री भंवर राव, जिला उपाध्यक्ष ताराचंद टांक, अमराराम

पटेल, सज्जन बी राज, जिला महासचिव मेहबूब टी, रतन उदेश, सोशल मीडिया प्रभारी मांगुसिंह दूदावत, औबीसी जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा, महासचिव आमीन अली रंगेरज, जिला सचिव जुगराज चौहान, श्याम वागोरिया, दिलीप सिंह रावलवास, ब्रह्म चंदानी, रमेश चावला, प्रकाश चौहान, लक्ष्मण कच्छवाहा, दिनेश दवे, साबिर अशरफ़ी, राजेंद्र मेघवाल, कान्तीलाल जीनगर, दुर्गाराम नायक सहित कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यावसायिक दुरुपयोग किये पाये जाने पर कार्यवाही

पाली (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार सम्पूर्ण जिले में घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के दुरुपयोग, अवैध रिफिलिंग इत्यादि के विरूद्ध संचालित प्रतिष्ठानों, दुकानों, गोदामों इत्यादि के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। जिला रसद अधिकारी मनजीत सिंह ने बताया कि पाली जिले में आज शुक्रवार को मण्डिया रोड स्थित एक प्रतिष्ठान वीनस गृह वस्तु भण्डार में संयुक्त जांच दल द्वारा जांच करने पर गैस सिलेण्डरों का अवैध भण्डारण एवं व्यावसायिक उपयोग किए जाने पर 7 घरेलू



गैस सिलेण्डर एवं 2 व्यावसायिक गैस सिलेण्डर को जब्त किया गया। इन दोषियों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्यवाही की जा रही है। विभागीय निर्देशानुसार जिले में घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के दुरुपयोग/अवैध रिफिलिंग इत्यादि के विरूद्ध संचालित प्रतिष्ठानों/दुकानों/गोदामों इत्यादि के विरूद्ध

कार्यवाही जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान संयुक्त जांच में प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार एवं जितेंद्रसिंह आशिया मौजूद रहे। महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बैंकिंग व्यवहार की गुणवत्ता पर बल दिया व कहा कि यदि बैंक और ग्राहक के बीच तालमेल बेहतर होगा तो विश्वास भी बनेगा और ग्राहक लंबे समय तक जुड़े रहेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चूरू में अन्नपूर्णा रसोई के नाम पर सीएम भजनलाल शर्मा की भावनाओं के साथ खिलवाड़ !

-नगरपरिषद की मिलीभगत के बिना संभव नहीं अन्नपूर्णा रसोई में भ्रष्टाचार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अन्नपूर्णा रसोई के नाम पर सीएम भजन लाल शर्मा की भावनाओं के साथ खिलवाड़ हो रहा है। चूरू में नगरपरिषद मिली भगत से अन्नपूर्णा रसोई भ्रष्टाचार की रसोई बन चुकी है। यह चर्चा जोरों से है कि पीएम नरेंद्र मोदी को क्या जवाब देंगे सीएम भजन लाल शर्मा ? मिली जानकारी के अनुसार शहर में आधी से अधिक अन्नपूर्णा रसोई तो कागजों में ही खाना खिलाकर सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रही हैं। नगर परिषद के कर्मचारी और अधिकारी एक फर्जी थाली के बदले 12 रुपए खर्चते हैं। रैन बस्से वाली अन्नपूर्णा रसोई में सबसे अधिक फर्जीवाड़ा चल रहा बताया। दाल और आचार तो संचालक खुद ही खा जाते हैं। यहां कच्ची और जली हुई रोटियां



परसेना आम बात हो गई है। सुबह की बची हुई सब्जी रोटी शाम की थाली में परस देते हैं। ऐसे में गरीबों के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है।इतना ही नहीं इन रसोईयों में काम करने वाले लोगों का भी संचालक शोषण करते हैं। समय पर भुगतान नहीं करते हैं। मजे की बात देखो सभापति पायल सैनी के बाद

इनकी जांच करने कोई अधिकारी नहीं गया है। क्योंकि संबंधित अधिकारी फर्मा से दाम वसूलते हैं। इस कारण उनकी खुली छूट दे रही है।जिला प्रशासन एसडीएम, एडीएम और कलेक्टर को तुरंत सभी अन्नपूर्णा रसोईयों की जांच करनी चाहिए। आखिर क्यों नहीं होती जांच जिला प्रशासन को संज्ञान में लेना चाहिए।

गोगामेड़ी मेले का झंडारोहण के साथ विधिवत शुभारंभ -जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, भादरा विधायक संजीव बेनीवाल एवं एसपी ने किया झंडारोहण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। उत्तरी भारत के सबसे बड़े सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक गोगामेड़ी मेले का शनिवार को विधिवत पूजा-अर्चना, झंडारोहण और राष्ट्रगान के साथ शुभारंभ किया गया। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, भादरा विधायक संजीव बेनीवाल एवं एसपी हरीशंकर ने शुभारंभ कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों ने गोगाजी की समाधि पर चादर चढ़ाई तथा माथा टेक कर जिलेवासियों की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। जिला कलेक्टर डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए

प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। श्रद्धालुओं के लिए और अधिक सुविधाएं विकसित करने के प्रयास जारी रहेंगे। दर्शनार्थियों के लिए अस्थायी टेंट लगाकर रैन बसेरों की व्यवस्था की जा रही है। मेले में आमजन के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएगी। डॉ. यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस, चिकित्सा, पशुपालन एवं देवस्थान विभाग के अधिकारियों के साथ मेला मजिस्ट्रेट कार्यालय में बैठक भी ली। डॉ. यादव ने बताया कि आज से प्रारंभ होकर गोगामेड़ी का मेला एक माह तक चलेगा। प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं



की है। बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा, विद्वत, फायर ब्रिगेड तथा सुरक्षा व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हैं। सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल इस मेले को सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। भादरा विधायक संजीव बेनीवाल



ब्लूमबर्ग की पॉप पावर लिस्ट में शामिल हुए हिमेश रेशमिया

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर और सिंगर हिमेश रेशमिया ने ब्लूमबर्ग की पॉप पावर लिस्ट में 22वां स्थान हासिल कर पहली बार भारतीय कलाकार के रूप में इतिहास रच दिया है। यह भारतीय संगीत के लिए गर्व का पल है। इस लिस्ट में पोस्ट मेलोन, ब्लू मास और बेयोसे जैसे कई बड़े पॉप स्टार्स का नाम शामिल है। हिमेश का यह मुकाम उनकी 20 साल से ज्यादा की मेहनत और लोकप्रियता का सबूत है। उनके गाने आज भी दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं। इस लिस्ट में बिली इलिश, एड शीरन और लेडी गागा जैसे सितारों के साथ उनका नाम भारतीय पॉप संस्कृति को दिखाता है। ब्लूमबर्ग की इस रैंकिंग के लिए 1.2 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। दुनिया भर के प्रशंसकों ने वीवर्स प्लेटफॉर्म पर वोट देकर चुना कि कौन इस सूची में रहेगा।

का सबूत है। उनके गाने आज भी दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं। इस लिस्ट में बिली इलिश, एड शीरन और लेडी गागा जैसे सितारों के साथ उनका नाम भारतीय पॉप संस्कृति को दिखाता है। ब्लूमबर्ग की इस रैंकिंग के लिए 1.2 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। दुनिया भर के प्रशंसकों ने वीवर्स प्लेटफॉर्म पर वोट देकर चुना कि कौन इस सूची में रहेगा।

लाइफ Style

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' आखिर शुक्रवार 8 अगस्त को रिलीज हो रही है। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी यह फिल्म शुरुआत से विवादों में है। अब जब सिनेमाघरों में पहुंच रही है तो इसकी अटकलें प्रीति झगियानी ने प्रतिक्रिया दी है। कई बाधाओं का सामना करने के बाद फिल्म 'उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर गर्ल' को आखिरकार हरी झंडी मिली है।

किसी को भी डरने की जरूरत नहीं

एजेसी मुंबई

कन्हैया लाल हत्याकांड के एक आरोपी मोहम्मद जावेद की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार रात मेकर्स ने फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग रखी। फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' में विजय राज, प्रीति झगियानी, कमलेश सावंत और मुरताक खान जैसे सितारे हैं। स्क्रीनिंग में शामिल हुई प्रीति झगियानी ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने मीडिया से कहा, 'यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। किसी को भी सच बोलने से डरना नहीं चाहिए। मेरा मानना है कि इस फिल्म में सच्चाई दिखाई गई है। इसमें इंसानी स्वभाव और हकीकत को दिखाया गया है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि किसी को कोई आपत्ति होनी चाहिए। फिल्म देखें और फिर कोई राय बनाएं।' यह फिल्म राजस्थान के उदयपुर में हुए बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित है। साल 2022 में टेलर कन्हैयालाल की हत्या की गई थी। कन्हैयालाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की थी। इसके बाद उनकी दुकान में उन्हें बेरहमी से मार दिया गया। इस फिल्म का निर्देशन भरत एस. श्रीनाते ने किया है। उदयपुर फाइल्स को दर्शक दिल छूने वाली फिल्म बता रहे हैं। इस फिल्म को देखकर दर्शक भावुक हो गए।



प्रीति

हॉलीवुड मसाला



रॉबर्ट बेंटन ने अमेरिकी सेना में दी थी सेवा

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता रॉबर्ट बेंटन ने केमर वर्सेज केमर और एलेसेस इन द हार्ट जैसी फिल्मों के लिए लेखक-निर्देशक रूप में काम किया। रॉबर्ट बेंटन ने टेकसास विश्वविद्यालय और कोलंबिया विश्वविद्यालय से अध्ययन किया। इसके बाद वह 1964 से 1966 तक अमेरिकी सेना में रहे। बेंटन ने वलोरिया स्टैनम को डेट किया, जो उस समय हास्य पत्रिका हेलप में कर्मचारी थीं। इसके बाद उन्होंने 1964 में कलाकार जैली रेडिक्स से शादी की, जिससे उनका एक बेटा है। निर्माता रॉबर्ट बेंटन ने अपने कैरियर में शानदार काम किया। उन्होंने छह ऑस्कर नामांकन प्राप्त किए। छह में से तीन बार उन्होंने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता, जिसमें केमर वर्सेज केमर लिखने और निर्देशित करने के लिए और एलेसेस इन द हार्ट लिखने के लिए प्राप्त किया।



ब्रैड पिट ने पहली फिल्म में की थी गलती, हुआ था शर्मिदा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट को अपनी पहली ही फिल्म के सेट से बाहर का रस्ता दिखा दिया गया था। एक्टर ने फिल्म के सेट पर हुए एक वाक्य को याद किया। पिट ने बताया कि उन्हें वहां से निकाल दिया गया था। साल 1987 में आई फिल्म 'गे मैक्स लैंड' में उन्होंने वेटर की भूमिका निभाई थी, जिसमें उन्हें किंग डेविड के काम करना था। एक्टर ने बताया कि स्क्रीन एक्टर गिल्ड का कार्ड पाने की कोशिश में उन्होंने सीन के दौरान अचानक एक डायलॉग बोल दिया, जिससे सेट पर हंगामा मच गया था। उन्होंने बताया, 'एक रेस्ट्रिक्ट का सीन था, जिसमें वॉली शॉन और डीबी स्वीन लैंड रोल में थे। मैं वेटर था और मुझे सिर्फ शेपेन लाकर खलना था। मुझे बताया गया कि बोलने को कैसे पकड़ना, खोलना और पीछे हटना है। लेकिन, मीके का फायदा उठते हुए मैंने एक्टर के लिए शेपेन खलने समय पकड़ लिया- क्या आप कुछ और लेना चाहेंगे?' ये सुनते ही डायरेक्टर विलियम कट्टा कट्टा ब्रैड पिट ने हंसते हुए कहा, 'पलन असिस्टेंट डायरेक्टर दौड़कर आया और बोला- तुमने फिर से ऐसा किया, तुम बाहर हो जाओ! उस रात मैं बहुत शर्मिदा हुआ।'



पति को छपरी कहे जाने पर भड़की स्वरा

मुंबई। अभिनेत्री स्वरा भास्कर काफी मुखर हैं। वह अक्सर अपने बेबाक लहजे के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने उस व्यक्ति को खरी-खोटी सुना दी, जिन्होंने एक्स पर उनके पति फहाद अहमद को मजाक में छपरी और डोंगरी का स्टूटिड वेंडर कहा। अभिनेत्री फहाद के साथ रियलिटी शो पति-पत्नी और पंगा में दिखाई दी थीं। स्वरा भास्कर ने एक्स पर यूजर की प्रोफाइल को हाइलाइट करने के लिए दो स्क्रीनशॉट शेयर किए। इस पोस्ट में लिखा था 'परिणीति चोपड़ा को अपने पति को पीआर के लिए टॉक शो में ले जाते देखकर, स्वरा ने भी ऐसा ही करने का सोचा। वह अपने डोंगरी के छपरी पति को एक रियलिटी शो में ले गईं। पीआर तो छोड़िए, उनके पति डोंगरी के किसी रेहड़ी वाले जैसे लग रहे थे।' जवाब में, स्वरा ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा 'खुद को गौरवान्वित हिंदू और अंबेडकरवादी बनाने वाला यह मुखर्ष शायद यह नहीं जानता कि छपरी एक जातिवादी शब्द है।'



निशानची में निभाएंगे दोहरी भूमिका

मुंबई। फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप अपनी फिल्म निशानची से धमाकेदार वापसी कर रहे हैं। अपनी फिल्म में वह इस बार महाराष्ट्र के सबसे भावशाली परिवारों में से एक से एक नए कलाकार को पेश कर रहे हैं। यह कोई और नहीं बल्कि बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे हैं। फिल्म में वह डबल रोल में नजर आएंगे। शुक्रवार को फिल्म निशानची का टीजर रिलीज किया गया है। इसमें भरपूर मसाला, इमोशंस और ड्रामा है। निशानची में दो भाइयों के बीच के जटिल और अशांत संबंधों के बारे में दिखाया गया है। दोनों की जिंदगी नाटकीय रूप से अलग-अलग मोड़ लेती है। दोनों अलग-अलग रास्ते पर निकल पड़ते हैं। टीजर में देसी अंदाज देखने को मिल रहा है। इसमें बंदूक, गोली, रोमांस और एक्शन है। टीजर की शुरुआत कुछ इस तरह से होती है कि एक व्यक्ति कहता है कि 'बिना बॉलीवुड, काउनों जिंदगी कैसे जिए?'

टीवी मसाला



पहले हफ्ते में ही 'व्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' बना नंबर वन सीरियल

नई दिल्ली। 30वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट सामने आ चुकी है। पिछले हफ्ते सीरियल 'व्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' ने 25 साल बाद छोटें पर्दे पर वापसी की। दशकों में पहले ही हफ्ते में स्थिति डरनी के इस सीरियल का इतना प्यार दिखा कि यह टीआरपी चार्ट में टॉप पर जगह बनाने में कामयाब हो गया। 25 साल बाद भी इस सीरियल का जादू महिला दर्शकों पर बरकरार है। 30वें हफ्ते के टीआरपी चार्ट में दूसरे नंबर पर रुपाली गांगुली का सीरियल अनुष्का है। इसकी टीआरपी भी 2.3 है। लेकिन, इस सीरियल के लिए अब मुश्किलें बढ़ चुकी हैं। दरअसल अनुष्का पिछले कुछ साल से टीआरपी चार्ट में टॉप पर बन रहता था। इस हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में 'रे रिश्ता क्या कहलाता है' को तीसरा स्थान मिला है, इसकी टीआरपी 2.0 है। वहीं, दो कॉमेडी सीरियल भी इस लिस्ट में शामिल हैं। शो लाफ्टर शेफ को लिस्ट में चौथा स्थान मिला है, इसकी टीआरपी 2.0 है। वहीं, तारक मेहता का उल्टा चश्मा को पांचवां स्थान मिला है, इसकी 1.9 की टीआरपी मिली है।

मरने के बाद सजना-संवरणा चाहते थे उल्टा चश्मा के नटू काका!

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बाबा का किरदार निभाने वाले तन्मय वेकारिया ने नटू काका उर्फ धनश्याम नायक के बारे में कई बातें बताईं। उन्होंने बताया कि नटू काका की अंतिम इच्छा थी कि मरने के बाद भी उनका मेकअप किया जाए, जिसे उनके परिवार ने अंतिम संस्कार के समय पूरा किया। पता चलने के बारे में बात करें। 3 अक्टूबर, 2021 को कैमरा से इस दिग्गज अभिनेता के निधन की खबर सुनकर कलाकार और कू रखने में आ गए थे। उस समय ड्यू से उबर रहे तन्मय वेकारिया ने कहा, यह खबर सुनकर मेरी आंखों में आंसू आ गए। धनश्याम नायक की अंतिम इच्छा को पूर्ण किया। नटू काका अपने व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। उन्होंने मरने के बाद भी सजते-संवरते रहने की इच्छा जताई थी। बाबा उर्फ तन्मय वेकारिया ने आगे बताया कि कैसे धनश्याम नायक के परिवार ने उनके अंतिम संस्कार के समय इस दिग्गज अभिनेता की अंतिम इच्छा पूरी की।

मीगी साड़ी गाने में दिखी जान्हवी-सिद्धार्थ की सिजलिंग केमिस्ट्री

मुंबई। जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म 'परम सुंदरी' का आइकॉनिक रीन सीक्वेंस 'मीगी साड़ी' रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में जान्हवी और सिद्धार्थ की सिजलिंग केमिस्ट्री फैंस को बेहद पसंद आ रही है। 'मीगी साड़ी' से अदनान सामी की बॉलीवुड संगीत में वापसी हो रही है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म 'परम सुंदरी' का नया गाना 'मीगी साड़ी' रिलीज हो गया है। इस गाने में श्रेया घोषाल की आवाज और अदनान सामी की संगीत में वापसी है। सचिन-जिगर ने संगीत दिया है और अमितभ भाट्टाचार्य ने इसके बोल लिखे हैं। यह गाना बॉलीवुड के क्लासिक बारिश वाले सीन की याद दिलाता है, जिसमें जान्हवी सफेद साड़ी और सिद्धार्थ सूती कमीज में नाचते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री और डांस इस गाने को खास बनाते हैं। शुक्रवार को निर्माताओं ने इंस्टाग्राम हैडल पर फिल्म का गाना 'मीगी साड़ी' शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'अदनान सामी के साथ पुरानी यादें ताजा होंगी। प्यार और जुनून से भरपूर, अदनान सामी की आवाज में पेश है। परमसुंदरी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आ रही है।'



नई दिल्ली। रजनीकांत की फिल्म कुली को लेकर लोगों में बहुत क्रेज है। ये फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है और इसे लेकर क्रेज लोगों में देखने वाला है। कुली में रजनीकांत के साथ श्रुति हासन, नागार्जुन अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। साथ ही आमिर खान का चौंका देने वाला कैमियो है। विदेशों में तो कुली की एडवांस बुकिंग ओपन हो चुकी है और केरल में भी ये शुरू हो गई है। ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन सेल भी जबरदस्त हो रही है। लोग ऑफलाइन फिल्म को टिकट लेने के लिए थिएटर में भीड़ लगा रहे हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सोशल

केरल में रजनीकांत की कुली के लिए दीवाने हैं लोग, ऑफलाइन टिकट लेने लगी भीड़

नई दिल्ली। रजनीकांत की फिल्म कुली को लेकर लोगों में बहुत क्रेज है। ये फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है और इसे लेकर क्रेज लोगों में देखने वाला है। कुली में रजनीकांत के साथ श्रुति हासन, नागार्जुन अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। साथ ही आमिर खान का चौंका देने वाला कैमियो है। विदेशों में तो कुली की एडवांस बुकिंग ओपन हो चुकी है और केरल में भी ये शुरू हो गई है। ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन सेल भी जबरदस्त हो रही है। लोग ऑफलाइन फिल्म को टिकट लेने के लिए थिएटर में भीड़ लगा रहे हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सोशल

मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें फैंस कुली की ऑफलाइन टिकट लेने के लिए भागते नजर आ रहे हैं। जैसे ही ऑफलाइन बुकिंग ऑन होती है तो लोग थिएटर के अंदर टिकट लेने के लिए भागते हुए लेने आ रहे हैं। इसे देखकर लग रहा है कि लोग पहले दिन ही फिल्म को देख लेना चाहते हैं। लाज्ज कैपिसिटी स्क्रीन वाली शोज हाउसफुल हो गए हैं और ऑफलाइन विक्री में तेजी आ रही है। अभी तमिलनाडु और तेलुगु स्टेट में बुकिंग ओपन नहीं हुई है। वहां पर तो इससे भी ज्यादा देखने को मिलेगा। कुली की बात करें तो लंबे समय के बाद रजनीकांत का एक हटकर अंदाज देखने को मिलने वाला है। ट्रेलर के बाद से ही रजनीकांत की खूब तारीफ हो रही है। अब फैंस को फिल्म रिलीज होने का इंतजार नहीं हो रहा है। कुली को लोकेस कनगराज ने डायरेक्ट किया है।

रक्षाबंधन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि माई-बहन के अनमोल रिश्ते का है प्रतीक

माई-बहन के रिश्ते पर बनीं ये फिल्में देखकर छलक जाएंगी आंखें

एजेसी मुंबई आज रक्षाबंधन का त्योहार है। पूरे देश में ये त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। ये माई और बहन का त्योहार है, जिसमें माई को बहन रक्षा सूत्र बांधती है। इसके बाद दोनों एक-दूसरे को वचन देते हैं। रक्षाबंधन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि माई-बहन के अनमोल रिश्ते का प्रतीक है। यह दिन हमें उस प्यार, सुरक्षा और भावनात्मक जुड़ाव की याद दिलाता है जो माई और बहन के बीच होता है। रक्षाबंधन के त्योहार पर हिंदी सिनेमा में कई फिल्में बन चुकी हैं। इन सभी फिल्मों में रक्षाबंधन पर गाने भी थे जो आज भी रक्षाबंधन पर बजाए जाते हैं। माई-बहन के इस प्यार को फिल्मी पदों पर बड़ी शिद्दत से दिखाया जाता है। कोई माई या बहन फिल्म देखे तो उसके आंखों से आंसू निकलना तो पक्का है। क्योंकि, उन फिल्मों की कहानी है ही इतनी इमोशनल।



रेशम की डोरी
आलमराम के निर्देशन में बनी 1974 में आई फिल्म रेशम की डोरी में माई-बहन के बीच प्यार को बखूबी दिखाया गया। इस फिल्म में धर्मद और उनकी बहन के प्यार ने दर्शकों की आंखों में आंसू ला दिए और इस फिल्म का गाना 'बहना ने माई को कलाई से प्यार बांधा है।' आज भी बड़ी शिद्दत से सुना जाता है।

सुरबजीत
2016 में आई ये फिल्म भी आप रक्षाबंधन में देख सकते हैं। ये फिल्म भी एक बहन को कहानी पर बनी है, जो अपने माई को पाकिस्तान के जेल से वापस लाने की लड़ाई लड़ती है। इसे आप ऑनलाइन ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर भी देख सकते हैं।

जिगरा
ये फिल्म 2024 में रिलीज हुई थी। आलिया भट्ट की इस फिल्म में माई और बहन के रिश्ते पर आधारित है। एक बहन अपने माई को किस तरह से रक्षा करती है, इसमें देखने लायक है। आलिया के साथ इसमें वेदांग राना भी हैं।

हम साथ-साथ हैं
रिश्ते को बखूबी बयां करती फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' आज भी दर्शकों को खूब पसंद आती है। इस फिल्म में नीलम और उसके तीन भाइयों सलमान, सैफ और मोहम्मदी बहल के प्रेम को दर्शकों ने बेहद प्यार किया। जोश: समय बढ़ता तो माई-बहन के प्यार का अंदाज भी बढ़ता। अब फिल्मों में आधुनिकता आने लगी। जोश फिल्म में शाहरुख खान-श्वेता रॉय काई-बहन के रोल में थे। फिल्म में शाहरुख अपनी बहन के प्यार के लिए विलेन बनते नजर आए। फिजा : साल 2000 में आई फिल्म फिजा में श्रुति और करिश्मा माई बहन के किरदार में नजर आए। फिल्म में दिखाया गया कि कैसे दोनों के बीच फिजा का माई अमान गायब हो जाता है। फिजा अपने माई की तलाश सालों तक करती है और आखिर में एक बहन का प्यार जीतता है और फिजा अमान को खोज लेती है।

प्रियांश आर्या की विस्फोटक बल्लेबाजी, 52 बॉल पर जड़ा शतक

आक्रामक पारी में लगाए 7 चौके और 9 छक्के

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग में खिलाड़ी कमाल का खेल दिखा रहे हैं। आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले प्रियांश आर्या ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 52 बॉल पर ही अपना शतक पूरा किया। इसमें उन्होंने 7 चौके और 9 छक्के लगाए।

प्रियांश आर्या डीपीएल में आउट दिल्ली वॉरियर्स के लिए खेल रहे हैं। वे अपनी

टीम के लिए ओपनिंग करने के लिए उतरे और मैदान पर पहुंचते ही चौके और छक्कों की लाइन सी लगा दी। उन्होंने पहले अपना अर्धशतक पूरा किया और उसके बाद केवल 52 बॉल खेलकर शानदार सैकड़ा पूरा किया। इसके बाद 56 बॉल पर 111 रन बनाकर वे आउट हो गए। अपनी इस आक्रामक पारी के दौरान उन्होंने 7 चौके और 9 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 198.21 का रहा।



आईपीएल में की थी शानदार बल्लेबाज

आईपीएल में इसी साल प्रियांश आर्या ने कमाल की बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 17 मैच खेलकर 475 रन बनाए थे। प्रियांश ने एक शतक और दो अर्धशतक अपने नाम किए थे। उनका औसत 27.94 का रहा था। बात अगर डीपीएल की करें तो आउट दिल्ली वॉरियर्स की टीम ने तीन मैच खेलकर अब तक केवल एक ही जीता है। टीम अभी दो अंक लेकर चौथे स्थान पर है। देखा जा तो टीम और खुद प्रियांश आर्या कैसा प्रदर्शन करते हैं।



करन गर्ग ने 24 बॉल पर बनाए 43 रन

कमाल की बात ये है कि जहां एक ओर प्रियांश आर्या ने शानदार सैकड़ा जड़ा, वहीं टीम का दूसरा कोई बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच पाया। टीम के लिए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर करन गर्ग ने किया, जिन्होंने 24 बॉल पर कमाल के 43 रन बनाए। उन्होंने दो छक्के और पांच चौके लगाने का काम किया। इन्हीं दो बल्लेबाजों की बदौलत टीम ने 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 231 रन बना दिए।

खबर संक्षेप



पंजाब ने जीता सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब
चेन्नई। मनदीप सिंह के दो गोल की मदद से पंजाब ने 15वीं हांकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में झारखंड को 4-3 से हराकर खिताब जीत लिया। खिताबी मुकाबला काफी करीबी रहा, जिसमें आखिरी पलों तक दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। झारखंड ने दूसरे क्वार्टर में आशीष टानी पूर्ति (21वें) और अनोश डुंगुंडा (24वें) के गोल से बढ़त कायम की लेकिन पंजाब की टीम में दो मिनेट के अंदर अक्षत सलारिया (29वें) और वरिंदर सिंह (30वें) के गोल से मध्यंतर से पहले स्कोर बराबर कर दिया।

नेक्सो चैंपियनशिप : अहलावत 43वें, शुभकर 77वें स्थान पर
अबेरडीनशर (स्कॉटलैंड)। भारत के वीर अहलावत एक ओवर 73 के स्कोर के साथ डीपी विश्व टूर की नेक्सो गोल्फ चैंपियनशिप के पहले दौर के बाद 43वें स्थान पर हैं जबकि शुभकर शर्मा खराब शुरुआत के बाद संयुक्त 77वें स्थान पर हैं। अहलावत ने पांच बर्डी लगाए, चार बोगी और एक डबल बोगी किया। शर्मा ने पहले दौर में तीन ओवर 75 स्कोर किया। दक्षिण अफ्रीका के रिचर्ड स्टर्न ने पहले दौर के बाद एक शॉट की बढ़त बना ली है।

18 साल की एमबोको ने फाइनल में नाओमी को तीन सेट के कड़े मुकाबले में हराया

नेशनल बैंक ओपन: टेनिस में नई चमक

विक्टोरिया और शेल्टन बने चैंपियन

एजेसी ►► मॉन्ट्रियल
एमबोको और शेल्टन नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के नए चैंपियन बन गए हैं। महिला वर्ग में एमबोको ने ओसाका का मात दी। पुरुष एकल में बेन शेल्टन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खाचानोव को हराकर खिताब अपने नाम किया है। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया एमबोको ने अपना स्वर्णित ऑपनिंग जारी रखते हुए फाइनल में नाओमी ओसाका को तीन सेट तक चले मुकाबले में पराजित करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला सेट गंवाते के बाद शानदार वापसी करके चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर अपना पहला डबल्यूटीए टूर खिताब जीता।

विक्टोरिया ने लगाई जबर्दस्त छलांग विश्व रैंकिंग में 85वें से 25वें स्थान पर पहुंची



खिताब जीतने वाली बर्नी कनाडा की तीसरी खिलाड़ी

इस जीत से वह विश्व रैंकिंग में 85वें से 25वें स्थान पर पहुंच जाएंगी। विक्टोरिया ओपन युग में यह खिताब जीतने वाली कनाडा की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले 1969 में फेय अर्बन और 2019 में बियांका एंड्रीस्कु ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली विक्टोरिया को पूरे मैच के दौरान दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला। ओसाका ने मैच व्वाइंट पर जैसे ही नेट में शॉट मारा विक्टोरिया घुटनों के बल बैठ गईं और दर्शक खुशी से झूमने लगे। विक्टोरिया वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली तीसरी ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने डबल्यूटीए 1000 खिताब जीता। उनसे पहले 2011 में सिनसिनाटी में मारिया शारापोवा और 2019 में इंडियन वेल्स में एंड्रीस्कु ने खिताब जीता था।

बेन ने जीता तीसरा सबसे बड़ा खिताब



अमेरिका के बेन शेल्टन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूय में अपने करियर का तीसरा और सबसे बड़ा खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में रूस के 11वीं वरीयात प्राप्त करने खाचानोव को 6-7 (5), 6-4, 7-6 (3) से हराया। चौथी वरीयात प्राप्त 22 वर्षीय शेल्टन 2003 में एंडी रोडिक के बाद मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता

करीब 15 साल बाद बदल सकते हैं नियम

संशोधित राष्ट्रीय आयु घोखाधड़ी विरोधी संहिता पर परामर्श पूरा

एजेसी ►► नई दिल्ली
खेलों में उम्र संबंधी घोखाधड़ी के खिलाफ राष्ट्रीय संहिता (एनसीएएफएस) 2025 के मसौदे को खेल मंत्रालय ने अगले सप्ताह केन्द्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजने की तैयारी कर ली है। इसमें आयु घोखाधड़ी उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के प्रावधान के साथ खिलाड़ियों की सही उम्र का पता लगाने के लिए एआई-आधारित हड्डी स्कैन के साथ प्रमाण पत्र, आधार कार्ड/मतदाता पहचान पत्र/पासपोर्ट/पैन कार्ड और स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र/मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र शामिल है। इसके बाद दस्तावेज प्रामाण्य भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) द्वारा किया जाएगा। मंत्रालय अब तक आयु घोखाधड़ी की घटनाओं का रिकॉर्ड नहीं रखता रहा है इस तरह के मामलों के लिए अब तक 2010 की एनसीएएफएस की मदद ली जाती थी लेकिन इसमें उल्लंघन करने वालों के लिए सजा का प्रावधान नहीं था। संशोधित संहिता में पहली बार अपराध करने वाले एथलीटों के लिए दो साल के प्रतिबंध की सिफारिश की गई है। दूसरी बार उल्लंघन करने पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाएगा और 'भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)', 2023 और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी। संहिता में कहा गया है, 'सभी मौजूदा पंजीकृत एथलीट दस्तावेज को साइ या एनएसएफ को अनिवार्य तौर पर जमा करें।'

अर्जुन की बाजी झों, विदित हुए उलटफेर का शिकार

चेन्नई। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी अर्जुन एरिगोसी ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर (जीएम) जोर्डन वैन फारिस्ट के साथ अपनी बाजी झों खेली तो वहीं विदित गुजराती को अमेरिका के रे रॉबसन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी वी प्रणव के खिलाफ शानदार जीत से जर्मनी के विन्सेंट केमर मास्टर्स वर्ग की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। दिन का सबसे बड़ी उलटफेर हालांकि रॉबसन ने गुजराती को हरा कर किया। अनोश और निहाल सरीन का मुकाबला बराबरी पर खूटा।

अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी 10 भारतीय फाइनल में पहुंचे

बैंकांक। सात महिलाएं समेत दस भारतीय मुक्केबाज शुरुआत को यहाँ अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। महिला मुक्केबाजों में निशा (54 किग्रा), मुस्कान (57 किग्रा), विनी (60 किग्रा), निशा (65 किग्रा), आरती कुमारी (75 किग्रा), पारची टोकस (80+ किग्रा) के साथ-साथ पुरुषों की स्पर्धा में मौसम सुहाग (65 किग्रा), राहुल कुडू (75 किग्रा) और हेमंत सांगवान (90 किग्रा) ने फाइनल का टिकट पक्का किया। कृतिका (80 किग्रा) को बिना किसी मुकाबले के फाइनल में जगह मिली है। भारत ने इस प्रतियोगिता में 40 मुक्केबाजों (प्रत्येक आयु वर्ग में 20) का एक मजबूत दल उतारा है। इसमें अनुभवी चैंपियनों और घरेलू स्किल में प्रभावित करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है।

युवा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ी को मिली जगह



एजेसी ►► मेलबर्न
भारतीय मूल के दो क्रिकेटर्स आर्यन शर्मा और यश देशमुख को अगले महीने भारत अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। शर्मा जहां विक्टोरिया के बल्लेबाज हैं, वहीं ऑलराउंडर देशमुख न्यू साउथ वेल्स के उन पार्षद खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें टीम में चुना गया है। इस टीम को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच टिम नीलसन कोचिंग देंगे। श्रृंखला की शुरुआत 21, 24 और 26 सितंबर को क्रिस्बेन के इयान होली ओवल में खेले जाने वाले तीन एकदिवसीय

मैचों से होगी। इसके बाद 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक क्रिस्बेन में और 7 से 10 अक्टूबर तक मैकाय में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। नीलसन की अंडर-19 टीम के कोच के रूप में यह पहली श्रृंखला होगी। वह इससे पहले 2007 से 2011 तक ऑस्ट्रेलिया की सीनियर पुरुष टीम के कोच रह चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम
साइमन बज, एलेक्स टर्नर, स्टीव होगन, विल मालजुचुक, यश देशमुख, टॉम होगन, आर्यन शर्मा, जॉन जेम्स, हेडन शिलर, चार्ल्स लैम्बु, बेन गॉर्डन, विल वायरोम, केसी बार्टन, एलेक्स ली यंग, जेडन ड्रेपर। रिजर्व जेड हॉलिक, टॉम पैडिंगटन, जूलियन ओसबोर्न।

रवींद्र, निकोल्स और कॉनवे के शतकों से न्यूजीलैंड ने 476 रन की बढ़त हासिल की

बुलवायो (जिम्बाब्वे)। रविन रवींद्र, हेनरी निकोल्स और डेवोन कॉनवे के बड़े शतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर रिकॉर्ड 601 रन बना कर 476 रन की बढ़त हासिल कर ली है। दिन का खेल खत्म होते समय रवींद्र 139 गेंदों में 21 चौकों और दो छक्कों की मदद से 165 रन जबकि निकोल्स 150 रन बनाकर कॉनवे पर जोरदार इशारे बने। उन्होंने दो साल के शतकों का सूखा खत्म करने के दौरान इस पारी में 18 चौके लगाये।

सिनसिनाटी ओपन : वीनस पहले दौर में हारकर बाहर

एजेसी ►► सिनसिनाटी
जेसिका से 6-4, 6-4 से हारी



एक साल से अधिक समय तक खेल से दूर रहने के बाद पिछले महीने वापसी करने वाली वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में स्पेन की जेसिका पुजास मानरो से 6-4, 6-4 से हारकर बाहर हो गईं। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन को अब अमेरिकी ओपन में भाग लेना है, जहां उन्हें मिश्रित युगल में अपने जोड़ीदार रीली ओपेल्का के साथ वाइल्ड-कार्ड से प्रवेश मिला है। वीनस ने अपनी बहन सेरेना के साथ महिला युगल में 14 ग्रैंड स्लैम और मिश्रित युगल में दो खिताब जीते हैं। दुनिया में 51वीं रैंकिंग की खिलाड़ी 22 वर्षीय मानरो का

मेगा ऑक्शन में फ्रेंचाइजी ने 9.75 करोड़ में खरीदा था चेन्नई सुपर किंग्स छोड़ेंगे अश्विन, 9 साल बाद की थी वापसी

एजेसी ►► चेन्नई
स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने फ्रेंचाइजी को अपनी इच्छा बता दी है। अश्विन ने 2025 के आईपीएल में ही 9 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स में वापस आई थी। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ही अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। 2010 से 2015 तक वह सीएसके का हिस्सा रहे। 2016 से 2024 तक वह दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी अलग-अलग टीमों के साथ खेले। 2025 में 9 साल बाद वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए दिखे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, अश्विन ने सीएसके से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैसले के बारे में फ्रेंचाइजी को बता दिया है। वैसे उनके इस फैसले की वजह क्या है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

सेंट जूड चैंपियनशिप : भाटिया ने खेला कैरियर का सर्वश्रेष्ठ कार्ड

एजेसी ►► मेक्सिको (अमेरिका)



भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अश्वय भाटिया ने पीजीए टूर पर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सेंट जूड चैंपियनशिप में बढ़त कायम कर ली। पीजीए टूर पर दो बार के विजेता 23 साल के भाटिया ने आखिरी कुल होल में शानदार खेल दिखाया। शुरुआती नौ होल में चार अंडर का स्कोर करने वाले भाटिया 11वें होल में बर्डी करने के बाद 12वें होल में बोगी कर बैठे। उन्होंने हालांकि इसके बाद कमाल की वापसी की। उन्होंने पांच शॉट वाले 16वें होल में इंगल लगाई और फिर आखिरी दो

पिछले सीजन प्रदर्शन नहीं था उम्मीद के मुताबिक

आईपीएल 2025 के सीजन में रविचंद्रन अश्विन का प्रदर्शन बिल्कुल भी उम्मीद के अनुसार देखने को नहीं मिला था, जिसमें उन्हें 9 मैचों में खेलने का मौका मिला था और उसमें वह सिर्फ 40.43 के औसत से 7 विकेट ही हासिल करने में कामयाब हो सके थे। वहीं बल्ले से अश्विन सिर्फ 33 रन ही बना सके थे। अश्विन का आईपीएल में अब तक प्रदर्शन देखा जाए तो उन्होंने 221 मैचों में खेले हुए कुल 187 विकेट हासिल किए हैं, जिसमें उनका औसत 30.22 का रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान के 5 जेट ध्वस्त, आतंकी ठिकाने तबाह

- वायुसेना प्रमुख बोले वायुसेना का सटीक और निर्णायक वार

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का इतिहास कई गौरवशाली अभियानों से भरा है, लेकिन हाल ही में सामने आए 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक विशेष और साहसिक मिशन के रूप में याद किया जा रहा है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने न केवल पाकिस्तान के पांच लड़ाकू जेट विमानों को मार गिराया, बल्कि सीमा पार मौजूद आतंकी ठिकानों को भी पूरी तरह तबाह कर दिया। वायुसेना प्रमुख ने इस अभियान के विवरण साझा करते हुए बताया कि यह कार्रवाई सुनियोजित, तेज और अत्यंत सटीक थी, जिसने दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया।



के पांच जेट विमानों को मार गिराया गया। दूसरा चरण: आतंकी ठिकानों पर सटीक बमबारी की गई, जिसमें बड़ी मात्रा में हथियारों का जखीरा और प्रशिक्षण शिविर नष्ट कर दिए गए। तीसरा चरण: कार्रवाई के बाद भारतीय विमानों ने सुरक्षित वापसी की और किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ।

इस ऑपरेशन की खबर फैलते ही कई देशों ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया। अमेरिका, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की यह कार्रवाई न्यायसंगत और आवश्यक थी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी निंदा के स्वर सुनाई दिए।

रणनीतिक संदेश ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के खतरे के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यह न केवल सैन्य ताकत का प्रदर्शन था, बल्कि दुश्मन को यह चेतावनी भी थी कि भारत पर किसी भी प्रकार का हमला या उकसावा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वायुसेना प्रमुख का बयान वायुसेना प्रमुख ने पत्रकारों से बातचीत में कहा— "यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि यह हमारे देशवासियों को यह भरोसा दिलाने का प्रयास था कि भारत की सुरक्षा हमारे हाथों में सुरक्षित है। हमारे पायलटों ने अदृत्त साहस, धैर्य और तकनीकी कुशलता का परिचय दिया।"

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सैन्य इतिहास में एक ऐसी मिसाल के रूप में दर्ज हो गया है, जिसने यह साबित कर दिया कि भारत के केवल रक्षात्मक बल्कि आक्रामक मोर्चे पर भी पूरी तरह सक्षम है। यह मिशन आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस, योजना और अदम्य जल्बे की प्रेरणा बना रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

ऑपरेशन की पृष्ठभूमि ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत पाकिस्तान की ओर से लगातार हो रहे सीमा उल्लंघन और आतंकी घुसपैठ के प्रयासों के बाद हुई। खुफिया एजेंसियों से प्राप्त पुष्पा जानकारी में यह स्पष्ट हुआ कि सीमा पार कई आतंकी शिविर सक्रिय हैं, जहां हथियार, विस्फोटक और घुसपैठ की योजना बनाने वाले आतंकीयों का जमावड़ा है। इसके अलावा पाकिस्तान वायुसेना की ओर से भारतीय सीमाओं के पास आक्रामक हवाई गतिविधियां भी तेज हो गई थीं। इस पृष्ठभूमि में भारत ने यह तय किया कि अब केवल रक्षात्मक नीति पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि एक निर्णायक और आक्रामक कार्रवाई ज़रूरी है।

ऑपरेशन का संचालन वायुसेना ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने के लिए मिर्जा-2000, सुखोई-30 एमकेआई और मिग-29 जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों का चयन किया गया। मिशन के दौरान रात के अंधेरे का फायदा उठाकर विमानों ने बिना रडार में पकड़े गए दुश्मन के ठिकानों तक पहुंच बनाई।

पहला चरण: दुश्मन के हवाई ठिकानों को निशाना बनाकर उनकी हवाई ताकत को कमजोर किया गया। इसी दौरान पाकिस्तान

कुलगाम में 2 जवान शहीद: ऑपरेशन 'अखल' का नौवां दिन

-आतंकीयों की तलाश जारी

कुलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम ज़िले के अखल जंगल में 1 अगस्त से जारी ऑपरेशन 'अखल' शनिवार को अपने नौवें दिन में पहुंच गया है। इस लंबे और चुनौतीपूर्ण एनकाउंटर में अब तक कई उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन शुक्रवार को आई एक दुखद खबर ने पूरे देश को गमगीन कर दिया। मुठभेड़ के दौरान घायल हुए चार जवानों में से लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शनिवार सुबह आधिकारिक तौर पर इन दोनों की शहादत की पुष्टि हुई।

लगातार जारी मुठभेड़ और अब तक का घटनाक्रम

ऑपरेशन 'अखल' की शुरुआत 1 अगस्त को हुई थी, जब सुरक्षा बलों को सूचना मिली कि अखल के घने जंगलों में कुछ आतंकी छिपे हुए हैं। इसके बाद स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG), जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी की। 2 अगस्त की सुबह: सुरक्षा बलों और आतंकीयों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकीयों में से एक की पहचान हारिस नजीर डार के रूप में हुई, जो पुलवामा का रहने वाला और C-केटगरी का आतंकी था। हारिस का नाम उन 14 लोकल आतंकीयों की लिस्ट में था, जिसे खुफिया एजेंसियों ने 26 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जारी किया था। उसके पास से AK-47 राइफल, थांजीनी और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया।

घायल जवान और शहादत

पिछले आठ दिनों में ऑपरेशन के दौरान कुल 9 जवान घायल हुए हैं। शुक्रवार को हुई गोलीबारी में चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इनमें से लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को बचाया नहीं जा सका और उन्होंने इलाज के दौरान अंतिम



सांस ली। बाकी दो जवानों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

जंगल में आतंकीयों के छिपे होने की आशंका

अखल का इलाका घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों और सीमित रास्तों के कारण सुरक्षा बलों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, अभी भी 2-3 आतंकी इलाके में छिपे हो सकते हैं। आतंकीयों के पास से बरामद हथियार और गोला-बारूद यह संकेत देते हैं कि वे लंबे समय तक मुठभेड़ में टिकने की तैयारी के साथ आए थे। सुरक्षाबलों ने इलाके को चारों ओर से घेर रखा है और किसी भी आतंकी के भागने की संभावना को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

ऑपरेशन की रणनीति

सुरक्षा बल इस ऑपरेशन को बेहद सावधानी के साथ अंजाम दे रहे हैं। ड्रोन और नाइट विजन डिवाइस की मदद से जंगल की निगरानी की जा रही है। साइपर्स को ऊंची पहाड़ियों पर तैनात किया गया है, ताकि आतंकीयों की मूवमेंट पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। फायरिंग रूक-रूक कर जारी है, क्योंकि घना जंगल और प्राकृतिक कवर आतंकीयों को छिपने का मौका देता है।

शहादत और राष्ट्रीय प्रतिक्रिया

जवानों की शहादत की खबर आने के बाद सेना और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सेना ने बयान जारी कर कहा, "लांस

नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह ने अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। राष्ट्र का सदा ऋणी रहेगा।" देशभर से लोगों ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद के खिलाफ जारी इस लड़ाई में जवानों के हौसले को सलाम किया।

अगे की दिशा

ऑपरेशन 'अखल' अभी जारी है और सेना ने साफ किया है कि जब तक आखिरी आतंकी को ढूंढकर खत्म नहीं किया जाएगा, अभियान समाप्त नहीं होगा। स्थानीय लोगों से भी अपील की गई है कि वे सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में सहयोग करें और इलाके में न जाएं। इस मुठभेड़ ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पूरी तरह समाप्त करने के लिए लंबी और कठिन लड़ाई अभी जारी है।

कुलगाम के अखल जंगल में चल रहा यह ऑपरेशन न केवल आतंकीयों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई है, बल्कि यह हमारे जवानों की वीरता, धैर्य और त्याग का प्रतीक भी है। लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की शहादत इस बात का प्रमाण है कि देश की सुरक्षा के लिए हमारे वीर सपूत हर कोमत चुकाने को तैयार हैं। अब पूरे देश की निगाहें इस ऑपरेशन के अगले चरण पर टिकी हैं, जो आतंकवाद के सफाये की दिशा में एक और कदम साबित हो सकता है।

दिल्ली में बारिश का कहर: दीवार हटने से 7 की मौत

-100 से ज्यादा फ्लाइंग्स लेट, NCR में रेड अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के इलाकों में शुक्रवार रात से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बारिश का असर इतना तेज है कि कई इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और बिजली कटौती की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने शनिवार को पूरे दिन के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिससे साफ है कि हालात अभी और बिगड़ सकते हैं।



दीवार गिरने से 7 लोगों की दर्दनाक मौत

शनिवार दोपहर दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक घर की दीवार अचानक ढह गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 मासूम बच्चियां शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय ये सभी लोग घर के अंदर मौजूद थे और तेज बारिश के चलते दीवार कमजोर होकर गिर गई।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और रेस्क्यू टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची NDRF और दमकल विभाग की टीमों मलबा हटाने और फंसे हुए लोगों को निकालने का काम कर रही हैं। अभी भी आशंका जताई जा रही है कि मलबे में कुछ लोग दबे हो सकते हैं।

कई घायल, अस्पताल में भर्ती

पुलिस का कहना है कि हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे इलाके में गम का माहौल है। हवाई यातायात पर असर - 100 से ज्यादा फ्लाइंग्स लेट तेज बारिश और खराब मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है।

गलवान झड़प के बाद पहली बार पीएम मोदी का चीन दौरा

-SCO समिट में होंगे शामिल, चीन ने कहा- स्वागत है

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच साल 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन की यात्रा पर जाएंगे।



चीन ने औपचारिक बयान जारी कर उनके इस दौरे का स्वागत किया है।

यह दौरे का स्वागत किया है। यह यात्रा तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के लिए होगी, जो 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होगा। इस दौरान 20 से अधिक देशों के शीर्ष नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख इसमें शामिल होंगे।

गलवान झड़प के बाद का पहला दौरा

गलवान घाटी में जून 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों देशों को सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर गहरी चोट पहुंची थी। इस घटना के बाद से भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं और उच्चस्तरीय यात्राएं काफी सीमित हो गई थीं। ऐसे में पीएम मोदी का यह दौरा एक अहम कूटनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो दोनों देशों के बीच संवाद बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है।

SCO समिट में प्रमुख मुद्दे

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन गियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व ट्विटर) पर जानकारी दी कि इस सम्मेलन में क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, आतंकवाद-निरोध, व्यापार, तकनीकी साझेदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। चूंकि SCO में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया के देश शामिल हैं, इसलिए यह मंच क्षेत्रीय संतुलन और बहुपक्षीय कूटनीति का अहम केंद्र माना जाता है।

चीन से पहले जापान दौरा

इस चीन यात्रा से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान जाएंगे, जहां वे भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यह बैठक द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी, निवेश, तकनीकी सहयोग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जापान भारत का प्रमुख रणनीतिक साझेदार है और हाल के वर्षों में दोनों देशों ने रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाया है।

चीन यात्रा का ऐतिहासिक पहलू

बतौर प्रधानमंत्री मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा। यह 70 सालों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा चीन के सबसे ज्यादा दौरे हैं। पीएम मोदी 2018 में आखिरी बार चीन गए थे, जब उन्होंने वुहान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक शिखर बैठक की थी। उस समय दोनों देशों ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वुहान स्प्रिंट' के तहत आपसी विश्वास बढ़ाने की कोशिश की थी।

कूटनीतिक संदेश

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह दौरा सिर्फ SCO में भागीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत और चीन के बीच संवाद के दरवाजे खोलने का अवसर भी होगा। भारत के लिए यह एक संतुलित विदेश नीति का हिस्सा है, जिसमें वह अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे काउंट्री साझेदारों के साथ-साथ रूस और चीन जैसे SCO साझेदारों से भी रिश्ते बनाए रखता है। गलवान झड़प के बाद के तनावपूर्ण माहौल में पीएम मोदी का चीन दौरा बेहद अहम है।

ट्रंप ने कराई ऐतिहासिक सुलह: आर्मेनिया-अज़रबैजान की 37 साल पुरानी जंग खत्म

-'ट्रंप रूट' बनेगा शांति का नया प्रतीक

वॉशिंगटन डीसी(एजेंसी)। आर्मेनिया और अज़रबैजान के बीच पिछले कई दशकों से चला आ रहा विवाद आखिरकार सुलझने की दिशा में बढ़ गया है। यह विवाद नागोर्नो-काराबाख (Nagorno-Karabakh) क्षेत्र को लेकर था, जो भौगोलिक रूप से अज़रबैजान में स्थित है, लेकिन यहां की आबादी में आर्मेनियाई लोगों का वर्चस्व रहा है। इस विवाद ने 1988 से लेकर अब तक कई बार दोनों देशों के बीच युद्ध और हिंसक झड़पों को जन्म दिया। अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता करते हुए एक ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की, जिसके तहत दोनों देश 37 साल पुराने इस संघर्ष को समाप्त करने पर राजी हो गए हैं। समझौते के तहत एक कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसे 'ट्रंप रूट' नाम दिया गया है।



की। उनके प्रयासों से वॉशिंगटन में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच गुप्त वार्ताओं का सिलसिला चला। ट्रंप ने खुद को 'पीस डील मेकर' बताते हुए कहा कि वह इस सौदे को केवल एक कागज़ी समझौता नहीं, बल्कि स्थायी शांति की नींव बनाना चाहते हैं। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने दोनों पक्षों को यह समझाने में सफलता पाई कि एक स्थायी आर्थिक और भौगोलिक कॉरिडोर ही इस विवाद का समाधान हो सकता है। इस कॉरिडोर के ज़रिए न केवल लोगों और सामान की आवाजाही होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

'ट्रंप रूट' का महत्व

समझौते के तहत, नागोर्नो-काराबाख और आसपास के संवेदनशील इलाकों में सफ़लता 80 किलोमीटर लंबा और 50 मीटर चौड़ा कॉरिडोर बनाया जाएगा, जो आर्मेनिया और अज़रबैजान को सीधे जोड़ेगा। इस कॉरिडोर का नाम 'ट्रंप रूट' रखा गया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय सहायता से विकसित किया जाएगा। इसमें आधुनिक सड़कें, रेल लाइन, चेकपॉइंट और निगरानी सिस्टम होंगे। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस कॉरिडोर से सीमा पर तनाव कम होगा, क्योंकि दोनों देशों को अब सीमा पर व्यापार और परिवहन के लिए वैध और सुरक्षित मार्ग मिल जाएगा।

आर्थिक और राजनीतिक लाभ

आर्थिक दृष्टि से: ट्रंप रूट से दोनों देशों के व्यापार में बढ़ोतरी होगी। अज़रबैजान की ऊर्जा संपदा और आर्मेनिया के औद्योगिक उत्पाद आसानी से एक-दूसरे तक पहुंच सकेंगे। राजनीतिक दृष्टि से: लंबे समय से जारी आपसी अविश्वास को कम करने में मदद मिलेगी। क्षेत्रीय स्थिरता: यह कॉरिडोर रूस, तुर्की और यूरोपीय संघ जैसे बड़े खिलाड़ियों के लिए भी एक स्थिर और सुरक्षित मार्ग के रूप में लाभकारी होगा।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इस समझौते का स्वागत करते हुए इसे "कॉकस क्षेत्र में शांति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम" बताया। यूरोपीय संघ ने भी इस पहल को सराहा और कहा कि वह 'ट्रंप रूट' के निर्माण में वित्तीय और तकनीकी सहायता देने को तैयार है। वहीं रूस और तुर्की, जो अब तक इस विवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, ने भी इस सौदे को सावधानीपूर्वक सकारात्मक बताया।

सुनौतियां भी कम नहीं

हालांकि इस समझौते के बावजूद सुनौतियां बरकरार हैं। नागोर्नो-काराबाख में कई लोग अभी भी पूरी तरह से इस डील के पक्ष में नहीं हैं। कुछ आर्मेनियाई समूहों का कहना है कि यह सौदा उनकी ऐतिहासिक जमीन पर समझौता है।

पूर्व अमेरिकी NSA का आरोप: ट्रंप के टैरिफ से बिगड़े भारत-अमेरिका रिश्ते

-चीन-रूस के करीब जा रहा भारत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति से जुड़े एक बड़े बयान में, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ फैसलों को अमेरिका की वैश्विक रणनीति के लिए नुकसानदेह बताया है। उनका कहना है कि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत जैसे अहम साझेदार देशों पर ऊंचे टैरिफ लगाने और व्यापारिक दबाव बनाने की नीति ने अमेरिका की वर्षों पुरानी मेहनत को बर्बाद कर दिया है। इसके चलते भारत अब अमेरिका से दूरी बनाकर चीन और रूस की ओर झुक रहा है, जो वॉशिंगटन के लिए एक गंभीर कूटनीतिक झटका है।

भारत-अमेरिका रिश्तों में आई दरार

पूर्व NSA के मुताबिक, पिछले दो दशकों में अमेरिका ने भारत के साथ रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में गहरे रिश्ते बनाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए थे। 9/11 के बाद से दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग बढ़ा, परमाणु समझौते पर सहमति बनी, और इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए भारत को एक प्रमुख सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में लागू किए गए 50% तक के टैरिफ और व्यापारिक प्रतिबंध ने इन रिश्तों पर नकारात्मक असर डाला। पूर्व NSA ने कहा, "भारत हमेशा से एक गर्वित और स्वाभिमानी देश रहा है। वह किसी के दबाव में आकर फैसले नहीं करता। जब आप उस पर आर्थिक दंड लगाएंगे, तो वह अपनी स्वतंत्र नीति की ओर अटढ़ हो जाएगा। यही हो रहा है — भारत अमेरिका से दूरी बनाकर वैकल्पिक साझेदार ढूंढ रहा है।"

चीन और रूस के साथ बढ़ता तालमेल

अमेरिकी सुरक्षा विशेषज्ञों का



मानना है कि हाल के वर्षों में भारत और रूस के रक्षा संबंध पहले से मजबूत रहे हैं, लेकिन अब ऊर्जा, व्यापार और बहुपक्षीय मंचों पर भी दोनों के बीच सहयोग बढ़ा है।

साथ ही, चीन के साथ भारत के संबंध जटिल होने के बावजूद, BRICS और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) जैसे मंचों पर तालमेल जारी है। पूर्व NSA के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापारिक टकराव ने भारत को 'संतुलनकारी कूटनीति' अपनाते हुए एक मजबूत कर दिया है, जिसमें वह एक तरफ काउ (Quad) में अमेरिका का सदस्य है और दूसरी तरफ BRICS में रूस-चीन के साथ भी काम कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी, "अगर अमेरिका ने जल्द ही अपनी नीति में बदलाव नहीं किया, तो भारत की रणनीतिक प्राथमिकताएं पूरी तरह बहुध्रुवीय (Multipolar) ढांचे में ढल जाएंगी, जहां वॉशिंगटन का प्रभाव सीमित होगा।"

टैरिफ का आर्थिक और कूटनीतिक असर

ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका ने भारत पर स्टील, एयुमिनियम और कई कृषि उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाया। इसके जवाब में भारत ने भी अमेरिकी उत्पादों पर काउंटर-टैरिफ लगाए, जिससे द्विपक्षीय व्यापार में गिरावट आई। पूर्व NSA के मुताबिक, यह सिर्फ आर्थिक नुकसान नहीं था, बल्कि विश्वास की कमी भी पैदा हुई। भारत को लगा कि अमेरिका